fmpb

मित्र समाचार

अंक 12 प्रकाशन 9 सितंबर 2022

जगाने की पुकार

परमेश्वर के उद्देश्य को हम में जगाना

जाग, जाग, हे सिय्योन, अपना बल धारण कर; ...अपने शोभायमान वस्त्र पहिन ले।
यशायाह 52:1

प्रथम पंक्ति

जागने के लिए बुलाहट

"स्लीपिंग जायंट गेट्स अ वेक अप कॉल" बहुत पुराने मसीही गीत "पेट्रा-वेक-अप कॉल" के एल्बम का एक परिचित वाक्यांश है।

यहाँ गायक विश्वासियों को "दिग्गज" कहता है। क्या हम वाकई दिग्गज हैं? हम शारीरिक रूप से भले ही दिग्गज न हों, लेकिन हम आध्यात्मिक रूप से दिग्गज हैं, क्योंकि हमारे साथ और हमारे भीतर एक सर्वशक्तिमान ईश्वर है। कई बार हम अपने में इस शक्ति को एहसास करने में असफल होते हैं। लेकिन यह विशाल शक्ति जिसके पास है या तो कर रहा है या सो रहा है या कुछ भी नहीं कर रहा है जो उसे जुनून के साथ करना चाहिए। इस स्थिति में परमेश्वर हमें अपने आत्मा के साथ एक जागृत कॉल देता है, शक्तिशाली और राजसी आवाज। वो आवाज जो हममें वो ताकत जगाएगी और हमें उसकी बात सुनने के लिए उकसाता है। फिर भी यह एक दयालु आवाज है। यह वह आवाज है जो हमें कार्य करने के लिए प्रेरित और उत्तेजित करता है। परमेश्वर हम से चाहता है कि हम "जागृत हों" या "उठें।" धूल (यह एक चट्टान नहीं है जो हमारे सिर पर है, लेकिन सिर्फ धूल है), असफलताओं से , निराशा , बीमारी और अपमान (यहेज. 9:5) परमेश्वर हमें जगाना चाहता है ताकि हम मजबूत हो सकें (52:1), मेल-मिलाप करने के लिए, अपने अधिकार में लेने के लिए जो हमने खोया (Deut 2.24), हमारे माध्यम से राष्ट्र को छुड़ाने के लिए (Jud 7.9), लड़ने के लिए और उन लड़ाइयों को जीतो जो हमें दी गई हैं, कि भले और ईश्वरीय काम करें, और जो बचा है उसे मजबूत करें (प्रकाशितवाक्य 3.2), हमें एक सुंदर वस्त्र से सुशोभित करने के लिए (है 52:1), लिए चिल्लाना (26.19 है)। अलार्म घड़ी हमें जगा सकती है, लेकिन हमें बिस्तर से बाहर नहीं खींच सकती। परिस्थितियाँ , समाचार, घटनाएँ आदि ज़ोर से चिल्लाते हैं कि हम अंतिम दिनों में हैं। हैं हम आज अलार्म को महसूस करने में सक्षम हैं? हम सब शास्त्रों के माध्यम से पढ़ते हैं भगवान अलग-अलग नेताओं, न्यायाधीशों, राजाओं, नबियों और प्रेरितों को आवश्यकता के अनुसार जगाया । आज वही वेक-अप कॉल हमारी ओर आई है। जब वह हमें जगाता है मसीह के प्रति हमारी प्रतिक्रिया क्या है? वह अपने से बाहर ऐसा करता है हमारे और हमारे राष्ट्र के प्रति प्रचुर प्रेम। चाहे हम उठें या वापस जाएं, सोना पूरी तरह से हमारी इच्छा है। जब उसके पास असाधारण चमत्कार, आशीर्वाद और उद्देश्य है । केवल मसीह हमें जगा सकता है, । क्या हम में मौजूद दिग्गजता जाग रहा है!

- **मर्सी सेल्विन** (संचार विभाग)

I've been praying that we might have a spiritual awakening. But I think that becomes possible as individuals surrender their lives fresh and anew to Christ. - Billy Graham

And they said, Arise, that we may go up against them: for we have seen the land, and, behold, it is very good: and are ye still? be not slothful to go, and to enter to possess the land. (KJV) - Judges 18:9

Here's the world with millions, millions, millions dying. They were dying while you were sleeping last night, while you were fooling around somewhere! God is saying, "who will go for us?'' - Leonard Ravenhill

Arise, cry out in the night, as the watches of the night begin; pour out your heart like water in the presence of the Lord. Lift up your hands to Him for the lives of your children, who faint from hunger at every street corner. (NIV) - Lamentations 2:19

मित्र समाचार

मित्र समाचार प्रार्थना दल (एफ.एम.पी.बी.) का एक अधिकारिक अंग है।

मित्र समाचार प्रार्थना दल पूर्ण सवदेशी मिशनरी आन्दोलन है जो उन समुदायों के बीच में सुसमाचार प्रचार का कार्य करती है जिन्होंने सुसमाचार को नहीं सुना है।

यह कलीसियाओं की स्थापना करने के लिए कलीसिया के अंग के रूप में कार्य करती है।

मित्र समाचार प्रार्थना दल विभिन्न समुदायों के बीच में संतृप्त सुसमाचार का प्रचार करती है।

मित्र समाचार प्रार्थना दल कलीसियाओं, संस्थाओं, परिवारों तथा व्यक्तिगत रूप से लोगों को प्रार्थना करने एवं इसके कार्य में सहयोग प्रदान करने के लिए आमंत्रित करती है।

टिप्पणी, सिफ़ारिश और आवेदन
feedbackfmpb@fmpb.org

Publisher & Editor
S. Sutharsan Thomas Jeyaraj

FRIENDS FOCUS

A monthly blossom of FMPB

SUBSCRIPTION	INDIA	FOREIGN
Annual	Rs.100	Rs.600
Life	Rs.1500	Rs.5,000

H.Q: 29, High School Road, Ambattur, Chennai - 600 053
Tel: +91-44-2657 0404 Fax: 2657 3353
Cell: 9444394342
E-mail: info@fmpb.org
Web site: www.fmpb.co.in

Layout and Preparation:
Communication Dept., fmpb

महासचिव की कलम से....

अगम्य भारतीयों तक पहुँचने के हमारे मिशन ,से जुड़े प्रिय साथियों

हमारे प्रभु यीशु मसीह के सर्वशक्तिमान नाम में आप सभी को मेरा अभिनन्दन।

इस महीने परमेश्वर ने मुझे एन.आई.एम., झांसी, यूपी में संपादकीय लेख लिखने में मेरी मदद की। परमेश्वर ने अगस्त के महीने में FMPB के अपने सेवकों के माध्यम से जो भी काम किया है, उससे परमेश्वर के नाम की महिमा होनी चाहिए। परमेश्वर का वचन कहता है कि परमेश्वर ने हमें अपनी सेवकाई के लिये बुलाया है इसलिए नहीं की सांसारिक मानकों के अनुसार हम ज्ञानवान, सामर्थी और कुलीन हैं (1 कुरि 1:26), पर इसलिए क्योंकि हम मुर्ख, निर्बल, नीच और तुच्छ और शून्य हैं (1 कुरि 1:27, 28)। फिर सवाल उठता है की परमेश्वर ने हमारे जैसे लोगों को अपने और अपने राज्य की सेवा के लिए क्यों चुना ? बाइबल इस प्रश्न का उत्तर इस प्रकार से देती है कि परमेश्वर ने हमें ज्ञानियों को लज्जित करने, बलवानों को लज्जित करने के लिए बुलाया है ताकि हम परमेश्वर की उपस्थिति में घमण्ड न कर सके (1 कुरि 1:27, 28,29) । (1 कुरि 1:27, 28,29) हम परमेश्वर की सेवा इस मनोभाव से कर सके कि हम कुछ भी नहीं हैं और हमारे परमेश्वर सब कुछ है।

झारखंड में बैठक

झारखण्ड दौरे में संताल और माल्टो मिशनरियों और सचिवों के साथ बैठक बहुत फलदायी था। साथ में मिलकर हमने अपने सेवकाई क्षेत्र के सभी संताल तक पहुँचने के अपने विज़न को बड़ा करने के बारे में चर्चा किया। मिशनरियों ने क्षेत्रवार कार्य योजना तैयार किया कि कैसे विश्वासियों को शामिल करके सभी तक सुसमाचार पहुंचाया जा सकता है।

नागपुर में अंचल सचिवों की बैठक

फील्ड जोनल सचिवों और उनके परिवार नागपुर में 27 से 29 जुलाई तक त्रैमासिक प्रार्थना, समीक्षा और योजना के लिए मिले।

जीरो घाटी, अरुणाचल प्रदेश में ABA की बैठक

अपतानी बैपटिस्ट एसोसिएशन के नेतृत्व में अरुणाचल प्रदेश की जीरो घाटी में 8 और 9 अगस्त 2022 को एक बैठक आयोजित की गई थी। 8 को FMPB और ABA के बीच नए सिरे से समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किए गए। रेव. फ्रेंकलिन एम.वाई. पथम (उत्तर भारत के मोबिलाइज़ेशन सचिव), सिस्टर डोंज़ाचिन (उत्तर पूर्व भारत क्षेत्र की सचिव) और रेव. हुतोई अचुमी (मोबिलाइज़ेशन सचिव - नागालैंड) भी FMPB की ओर से शामिल हुए।

NBCC की बैठक

मोबिलाइजेशन सचिवों की वही टीम और मैंने नगरलागुन, अरुणाचल में न्यशी बैपटिस्ट चर्च कॉउंसिल के मुख्यालय का दौरा किया। महासचिव रेव. तार चोया ने गर्मजोशी से हमारा स्वागत किया और हमें सम्मानित किया। FMPB

और NBCC के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए एक सफल चर्चा हुई।

उत्तरपूर्वी अंचल के मिशनरियों की बैठक

9से 11 अगस्त 2022 के बीच उत्तर पूर्वी क्षेत्र के मिशनरियों के लिए आत्मिक जीवन सम्मेलन अरुणाचल प्रदेश में आयोजित किया गया था। 150 से अधिक मिशनरी और उनके बच्चे कार्यक्रम में शामिल हुए।

CSI त्रिची तंजौर के बिशप द्वारा हमारे मिशनरियों का अभिषेक

CSI त्रिची तंजौर डाइसिस के बिशप रेव. डॉ. डी. चंद्रशेखरन ने कृपापूर्वक 14 अगस्त को त्रिची में हमारे 4 मिशनरियों को एक भव्य सभा में अभिषिक्त किया। FMPB बिशप और डाइसिस के संबंधित समितियों को हमारे मिशनरियों को समर्पण करने के उनके निर्णय के लिए धन्यवाद देता है। FMPB सेवकाई के लिए बिशप और डाइसिस के सभी पदाधिकारी के समर्थन के लिए हम परमेश्वर की स्तुति करते हैं।

उपवास और प्रार्थना के दिन

मोबिलाइजेशन फील्ड और मुख्यालय में 12 से 14 अगस्त को उपवास और प्रार्थना दिवस के रूप में मनाया गया। अकेले तमिल नाडु और पोंडी और दक्षिण भारत में ही करीब 5628 लोग प्रार्थना करने के लिए एकत्रित हुए थे और उतर भारत में 10000 से अधिक लोग प्रार्थना करने के लिए एकत्रित हुए थे। डिवीजनों और मोबिलाइजेशन अगुवों के साथ प्रार्थना विंग ने बहुत अच्छे से प्रार्थना दिनों की व्यवस्था की।

मिशनरी एल्बम का प्रकाशन

FMPB के संचार विभाग ने बहुत प्यारा मिशनरी एल्बम का प्रकाशन किया है जिससे हमारे पत्रिका अभिदाताओं को भेजा जा रहा है। यह प्रार्थना करने के लिए एक अद्भुत उपकरण बनेगा जिसके द्वारा व्यवस्थित रूप से हम मिशनरियों और उनके बच्चों के चेहरे को देखकर उनके लिए प्रार्थना कर पाएंगे। उस में बड़े आकार का भारत का मानचित्र भी है जिस में FMPB के क्षेत्रों को चिह्नित किया गया है। इस एल्बम को निकालने के लिए मैं संचार विभाग की सराहना करता हूं।

आगामी बैठकें

मैं आपसे कुछ महत्वपूर्ण बैठकों के लिए प्रार्थना करने का अनुरोध करता हूं जो सितंबर का महीने में निर्धारित किया गया है।

संभागीय सचिव और महासचिव 6 और 7 को एकत्रित होंगे देश और संगठन के लिए उपवास और प्रार्थना करने के लिए जिसके बाद 8 और 9 तारीख को समीक्षा और योजना बनाने के लिए हमारी बैठकें होंगी।

वित्त प्रबंधन समिति बैठक 10 तारीख को निर्धारित है। प्रबंधन समिति की बैठक 17 और 18 को होगी।

कार्यकारिणी समिति की बैठक 24 को होगी और 25 तारीख को जेनेरल बॉडी की बैठक चेन्नई में होगी।

20से 23 को मैं बेंगलुरू में भारत मिशन एसोसिएशन की AGM में भाग लूंगा।

आपकी निष्ठावान प्रार्थना FMPB की सेवकाई के लिए एक बड़ी ताकत है।

.परमेश्वर के मिसियों में आपका साथी

रेव. जॉन बर्लिन एस

हे सिय्योन, जाग

यशायाह 52: 1

हे सिय्योन, जाग, जाग! अपना बल धारण कर ! हे पवित्र नगर यरूशलेम, अपने शोभायमान वस्त्र पहन ले; क्योंकि तेरे बीच खतनारहित और अशुद्ध लोग फिर कभी प्रवेश न करने पाएँगे। (यशायाह 52: 1)

सिय्योन

सिय्योन" शब्द पुराने नियम में 158 बार" है और नए नियम में 7 बार है। शुरुआत में यह शब्द यरूशलेम शहर में पाई जाने वाली पहाड़ियों में से एक को दर्शाता है, फिर यहोवा का मंदिर बनने के बाद यरूशलेम और इस्राएली - जो प्रतिज्ञा किये गए लोग हैं, उन्हें सिय्योन कहा गया है। जब परमेश्वर अपने लोगों को संबोधित करते हैं तो उन्हें 'हे सिय्योन' के रूप में करते हैं।

पश्चाताप के लिए बुलावा

...,हे सिय्योन, जाग, जाग!

यह बुलावा जो कहती है "हे सिय्योन, जाग, जाग" एक पुकार थी, अपने लोगों को छुड़ाने के किये जो हार गए थे। परमेश्वर उन लोगों के बारे में चिंतित हैं जो अशुद्धता, अज्ञानता और अवांछित मित्रता के कारण इस दुनिया की कीमत के आधिपत्य है। इसका कारण है कि वे परमेश्वर के वाचा के लोग थे। तब भी, जब उनके अपने लोग विश्वासघाती थे, वे अपनी प्रतिज्ञा के प्रति सच्चे थे ।

उन्होंने अपने लोगों को उनके कौशल, धन, या जनसंख्या, या उनकी सभ्यता देखकर नहीं चुना। लेकिन उन्हें परमेश्वर की आँखों में कृपा मिली, जब वे कुचले गए थे और मिस्र में खानाबदोशों की तरह घूम रहे थे। उन्होंने अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त की, राष्ट्रों को पराजित किया; उनकी मदद से वे संख्या में बढ़े। हर देश में जिन्होंने उनके बारे में सुना, डर समाया। लेकिन अब जब वे अपने परमेश्वर को छोड़कर बहुत दूर चले गए, तब उन्होंने अपनी महिमा और संप्रभुता खो दी और बंधन में रहने लगे। परमेश्वर

ने अपने दास के द्वारा अपने लोगों को जो गुलाम थे बुलाया ताकि वे पश्चाताप करे और उठ खड़े हो।

हम जानते हैं कि परमेश्वर के बच्चे हार का सामना करेंगे जब भी वे पाप, दुनिया के लिए प्यार, और अन्याय के साथ समझौता करेंगे। परंतु हमारा मुक्तिदाता हमें उठने और चमकने के लिए बुलाता है ताकि हम .बंधन में न जिये।

पश्चाताप के लिए सामर्थ

अपना बल धारण कर। .....

परमेश्वर के बच्चे जो बंधन के अधीन थे परमेश्वर की सामर्थ की ओर छुटकारे के लिए देख रहे थे। उन्होंने अनुरोध किया कि परमेश्वर स्वयं उनकी विजय के लिए कार्य करे। लेकिन परमेश्वर ने कहा " कार्य करने के लिए अपना बल धारण कर" (यशा. 52.1) ।

परमेश्वर के बच्चों की हार ने उन्हें अँधा कर दिया था। उन्हें लगा कि सिर्फ इसलिए कि परमेश्वर ने उन्हें छोड़ दिया था, शत्रुओं ने उन पर विजय प्राप्त कर ली है। उन्होंने यह समझने से इनकार कर दिया कि उनका ही पाप उनकी हार का कारण था। परमेश्वर ने इसे भविष्यवक्ता यशायाह के माध्यम से समझाया।उन्होंने यह भी घोषणा किया कि अगर वे पश्चाताप करे और उनके साथ मेल-मिलाप करे तो उन्हें छुड़ाया जाएगा।

हाँ, पूरे इतिहास में जब भी परमेश्वर के लोग उपकृत होते थे और परमेश्वर की इच्छा को पूरी करते थे, उनका सामर्थ उनके लिए पर्याप्त होता था और वे विजयी होते थे। आज भी परमेश्वर की ताकत काम नई हुई है। परमेश्वर अपने बच्चों को अपनी शक्ति और अपना वरदान बहुतायत से देते हैं ताकि हम बुराई पर विजयी हो (लूका 9:1, 10:19)। समय की मांग है कि प्रत्येक जन यीशु का शक्तिशाली शिष्य बने बजाय सिर्फ एक समृद्ध शिष्य। ऐसा न हो कि हम भक्ति का भेष धरें, पर उसकी शक्ति को न माने (2 तीमु. 3:5)। परमेश्वर ने हमें अपने जीवन, अपनी सेवकाई के लिए बल धारण करने और उनकी इच्छा को जानने और पूरा करने के लिए बुलाया है।

पश्चाताप की शर्तें

हे पवित्र नगर यरूशलेम, अपने ....
शोभायमान वस्त्र पहन ले।

यहाँ परमेश्वर ने अपने लोगों को तब भी बुलाया जब वे बाबुल में गुलाम थे और कहते हैं कि बंधन में जी रहे लोगों की तरह नहीं परन्तु बचाये गए लोगों की तरह जिये। उन्हें शोभायमान वस्त्र पहने हुए छुटकारे के लिए आशा के साथ तैयारी करनी चाहिए। शोभायमान वस्त्र बिना साफ़ किये हुए नहीं पहना जा सकता। वे शुद्धता और पवित्रता चाहते हैं जो आवश्यक है ताकि वेउनके बीच रह सके और उन्हें छुड़ा सके।

हाँ, हमारा परमेश्वर छुड़ानेवाला पवित्र है (प्रका 22.1)। यदि हम अपने अंदर उसके कार्य का अनुभव करना चाहते हैं, तो यह हमारे लिए आवश्यक है अपने आप को

और अपने परिवेश को पवित्र करे (जो. 3:5) । परमेश्वर का वचन कहता है "संसार से मित्रता करना परमेश्वर से बैर करना है" (याकूब 4 :4)। जो दोषी को निर्दोष, और जो निर्दोष को दोषी ठहराता है, उन दोनों से यहोवा घृणा करता है (नीति 17:15)। परमेश्वर कभी भी ऐसे बुरे लोगों को अपनी छुटकारे की योजना में उपयोग नहीं कर सकते।

जो पवित्र हैं, वे पवित्र बने रहें, यह परमेश्वर द्वारा दी गई आज्ञा है (प्रका. 22.1)। अगर हम चाहते हैं कि परमेश्वर का छुटकारे हमारे जीवन में निरंतर प्रदर्शित हो, तब हमें हमारे व्यक्तिगत, पारिवारिक, चर्च और सेवकाई जीवन में पवित्रता की लालसा करनी होगी।

पश्चाताप का वायदा

क्योंकि तेरे बीच खतनारहित और अशुद्ध .... लोग फिर कभी प्रवेश न करने पाएंगे।

जब परमेश्वर के लोग, अपने आप को समर्थ के वस्त्र पहिनाते हैं और पवित्र परमेश्वर के लिए उठते हैं , तब वह उनकी सुरक्षा और मदद का वादा करता है । वह यह भी वादा करता है, कि इस बीच में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियाँ उसकी महिमा को प्रकट करेगी । तब यहोवा का तेज प्रगट होगा और सब प्राणी उसको एक संग देखेंगे; क्योंकि यहोवा ने आप ही ऐसा कहा है (यशा. 40:5)। परमेश्वर आपने लोगो को भविष्यद्वक्ता के माध्यम से वह सब बात बताते थे जो घटित होगा जब वे अपने जीवन में असफल होंगे (उत्प. 1:39)।

विकट समय तेजी से निकट आ रहा है, और परमेश्वर प्रतिज्ञा करते है कि वह वाचा के लोगों को छुड़ायेंगे और अपने पास वापस लाएगा जब वे आपने पाप से फिरेंगे और उसकी खोज करेंगे । यह वादा केवल एक विशेष समय या स्थिति के लिए नहीं है। यह वादा, हमें इस्राएलियों के उद्धार के लिए दिया गया है, प्रभु येशु के पहले आगमन और उनके दूसरे आगमन जो जल्द ही होने वाला है। यह हमें यह भी याद दिलाता है कि आज हम जिन चुनौतियाँ और परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं वे हैं स्थायी नहीं, हमारे जीवन में, हमारे परिवारों में, हमारे सेवकाई में और और हमारे देश में प्रभु की महिमा प्रकट होगी और यह भी आश्वासन है, कि हर कोई इसे देखेगा। यह एक चेतावनी है उनको जो परमेश्वर की महिमा को नीचा दिखाने की कोशिश करते है और वे जो परमेश्वर के लोगों को कानून और उत्पीड़न के द्वारा परेशान करते है परन्तु परमेश्वर के लोगों के लिए यह कठिन समय में आशा का संदेश है।

इसमें कोई शक नहीं कि जब हम परमेश्वर के बच्चे जो इन आखिरी दिनों में रहते हैं , वे परमेश्वर की महिमा को प्राथमिकता देते है जब वे अपने आप को परमेश्वर की सामर्थ , पवित्रता के साथ जागना और परमेश्वर के राज्य के मूल्यों के साथ राष्ट्रों को छुड़ाने का काम करते हैं और तब परमेश्वर का वचन निश्चित रूप से हमारे जीवन में पूर्ण होगा । प्रभु हम सभी को जागने और जीने और उसके राज्य के लिए अथक परिश्रम करने की की कृपा ! दे

रेव. डैनियल डेविड
सचिव प्रार्थना विंग

FRIENDS MISSIONARY PRAYER BAND

நண்பர் சுவிசேஷ ஜெபக்குழு

செயல் வீரர் கீதங்கள்

மாநில முகாம் 2022

கருப்பொருள்:

உன்னத திட்டத்தை நோக்கி

எரேமியா 29:11

PENDRIVE VOL - 3

Music: D. John Selwyn

Art & Design • Stephen S | Produced by • FMPB Communication Dept. | Executive Producer • FMPB - General Secretary • www.fmpb.co.in |

SONG	LYRICS	VOCAL
Unnatha Thittam Thantha	J.J. Harris	Krithika Babu
Introduction	Vasanthi Emmanuel	Vasanthi Emmanuel
Marathavar Yesu	Cymer Selwyn	Timmy Madhukar
Meetparin Kural Ennai	Thomson Asir	Catherine Ebenezer
Dhooya Aviyanavar	Emil Jebasingh	Krithika Babu
Amanacku Chediyoh	Andrew Jawahar	Catherine Ebenezer
Yesuvai Solluvom	Jebakumar Periyasamy	Nellai Prabaharan
Oru Kuppi Thailathin	Kingsley Arunothaya Kumar	The Arch Note
Pirar Vazha Vendumenil	Thomas Thangaraj	Dinesh
Aandaandu Kalamai	EDA Dhanaraj	Prabhakar
Unnatha Thittaithai Niraivetra	Cymer Selwyn	Timmy Madhukar

PRESS HERE

ALL TIME FAVOURITE 400+ SONGS

நண்பர் சுவிசேஷ ஜெபக்குழுவின்
காலத்தால் அழியாத ஆத்தரிசன
மிஷனெரிப்பாடல்கள் இவை!

இயக்கத்தின் முன்னோடித்
தலைவர்களால் எழுதப்பட்டு,
இக்காலத்துக்கேற்ப இசையமைக்கப்பட்டு,
இந்திய தமிழ் திருச்சபைகளில் ஆவிக்குரிய
அதிர்வலைகளை உருவாக்கிவரும்
இனியப் பாடல்கள் இவை!

கேளுங்கள் ...
பரி.ஆவியானவர் நம்மில் நிச்சயம்
இடைபடுவார்!

வாருங்கள் ...
இந்தியர்களை இயேசுவுக்குச் சொந்தமாக்க
இணைந்துச் செயல்படுவோம்!

mp3 4GB MEMORY

GO INTO ALL THE WORLD AND PREACH THE GOSPEL TO ALL CREATION

friends missionary prayer band

29, High School Road, Ambattur, Chennai - 600 053
communication@fmpb.org | www.fmpb.co.in
+91 44 2657 0404 | +91 44 2657 4343

℗ & © 2022 fmpb media

All rights reserved by Friends Missionary Prayer Band. Unauthorized copying and broadcasting of this audio recording and making video from this is prohibited.

ALL TIME FAVOURITE SONGS 400+ SONGS

Songs of Years
1998 - 2022

PENDRIVE VOL - 3

கருப்பொருள்:

உன்னத திட்டத்தை நோக்கி

எரேமியா 29:11

GET YOUR **USB PENDRIVE**

DONATION Rs.200/-

FMPB CHENNAI - 53
044 26570404 / 9841973060

मिशनरी जीवन वृतांत

श्रीमती वैदुर्यम कांदीकुप्पा इज़राइल

(1960 - 2012)

प्रारंभिक जीवन:

श्री विश्वनाथ सरिलु, एक शिक्षक और श्रीमती सत्यवती एक गृहिणी, 5 अगस्त,1960 को एक बच्चे के साथ धन्य हुवे और उसका नाम वैदुर्यम रखा। बहन। बहन वैदुर्यमके के चार और बहनें थीं - मरियम,मंगवेनु, यमुना रानी, पुष्पारागम और इंदिरा नीलम और वे सभी आंध्र प्रदेश के गोदावरी जिले के अन्ना देवरपेट्टा में रहते थे।

उद्धार

ईश्वर का भय मानने वाला परिवार होने के नाते, उनके माता-पिता बच्चों के अध्यात्म पालन पोषण पर हर संभव बहुत ध्यान दिया करते थे। उन्होंने बच्चों को पढ़ना सिखाया, बाइबल का ध्यान करने और परमेश्वर से उनकी जरूरतों के लिए प्रार्थना करना भी सिखाया। एक परिवार के रूप में वे नियमित रूप से चर्च की सभा में भाग लेते थे।

बहन वैदुर्यम नाममात्र ईसाई थी और व्यक्तिगत रूप से प्रभु यीशु को नहीं जानती थी। श्री विश्वनाथ सरिलु नियमित रूप से अपने घर में कुटीर बैठकें आयोजित करते थे, बाहर से विशेष वक्ताओं को आमंत्रित करते थे। एक बैठक में,जब उपदेशक ने स्वर्ग और नरक के बारे में बात की, वह उपदेश वैदुर्यम को छुए गया और उन्होंने जीवन के बारे में सोचना शुरू किया और अपने पापों को स्वीकार किया और स्वीकार किया, यीशु उसके व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकारा। उनके जीवन में एक प्रत्याक्ष परिवर्तन था और उन्होंने नियमित रूप से बाइबल पढ़ना आंरभ किया और ईमानदारी से परमेश्वर के वचन पर मनन और प्रार्थना किया। वहस्थानीय चर्च में बच्चों की सेवकाई में शामिल थी और संडे स्कूल के शिक्षक भी थे।

सेवकाई में भागीदारी:

उनके पिता ने अपनी सभी बेटियों को ईश्वर के सेवकाई में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। उनकी सभी सेवकाई में निवेदन करने की आदत थी। वे आध्यात्मिक या नवीकरण सभा जो उनके स्थान के पास आयोजित होता, वे उन में उत्साहपूर्वक भाग लेते थे। इससे उन्हें भी अपने आध्यात्मिक उत्साह को बढ़ाने और बनाए रखने के मदद मिली। बहन वैदुर्यम कुटीर सभाओं में और बहार कि सेवकाई में अपनी गवाही को साझा करती थीं।

इस प्रकार, वह अपने आसपास के सभी लोगों को सुसमाचार प्रचार करने के लिए अत्यधिक प्रेरित थी। एक महिला होने के नाते, सेवकाई के लिए, अकेले अन्य स्थानों पर जाने के लिए वे असमर्थ थी। उन्होंने परमेश्वर से सिकाकाई के लिए दरवाजा खोलने के लिए प्रार्थना की। परमेश्वर ने उनकी यह इच्छा को विवाह के द्वारा पूरा किया।

विवाहित जीवन:

जैसा कि श्री विश्वनाथ सरिलु अपने बेटी वैदुर्यम के विवाह को तय करने

की कोशिश कर रहे थे, वह अपने मित्र विजयनगरम के पास गए , जो एक पादरी थे और वे भी अपने बेटे इजराइल के लिए साथी की तलाश कर रहे थे । इस बीच, श्री विश्वनाथ ने शिक्षक के रूप में अपनी नौकरी को इस्तीफा दे दिया और एक पादरी बन गया। उन्होंने अपने स्थान पर एक चर्च की स्थापना की। श्री इज़राइल ने 17 अप्रैल, 1985 को सुश्री वैदुर्यम से शादी की। परमेश्वर ने 1986 में उनके दांपत्य जीवन में एक बेटे की आशीष दी ; उन्होंने उसका नाम दानी बाबू रखा । 1988 में फिर से परमेश्वर ने उन्हें एक बच्ची, राहेल जैस्मीन के साथ आशीष दिया।जैसा कि इस जोड़े को परमेश्वर की सेवकाई करने में दिलचस्पी थी। उन्होंने एक मिशन में शामिल होने का फैसला किया।

सेवकाई :

उन्हें दोस्तों मित्र सुसमाचार प्राथना दल (FMPB) के बारे में पता चला, और उन्होंने मिशन में शामिल होने के लिए एक आवेदन भेजा । उन्हें साक्षात्कार के लिए बुलाया गया और 4 अप्रैल 1989 को मिशन द्वारा उनका चयन किया गया । 1989 के जून महीने में, उन्हें एक वर्ष का प्रशिक्षण के लिए , बेथेल बाइबल संस्थान, दानिशपेट, सलेम भेजा गया ।

फिर उन्हें गोंडा भाषा प्रशिक्षण के लिए भेजा गया। हिंदी भाषा सिखने के बाद, महाराष्ट्र राज्य में पंढरकवाड़ा की कोलामी जनजातियों में उन्हें क्रॉस कल्चर मिशनरियों के रूप में रखा गया। उसके बाद, वे झारखंड राज्य के बाराजामदा में स्थानांतरित हुए ।फिर, वे ओडिशा राज्य गए और जशीपुर में अपने आसपास के लोगो तक पहुंचे । वे एक संक्षिप्त अवधि के लिए 1992 से 1995 तक मुख्यालय में शामिल हुए। उनके तीव्र इच्छा थी की हिंदी भाषी लोगों के बीच सेवकाई करे, जिसके कारण वे यूपी - उत्तर भारत गए । उनका ध्यान पुखरायण और रूरा के मिशन क्षेत्र के आस-पास के लोगों पर था। 1998 में परमेश्वर ने उन्हें तीसरे बच्चे फ्लोरेंस के साथ आशीष दिया। 1999 में वहां से उन्हें कोलकाता मिशन मोबिलाइजेशन सेवकाई में हाथ आजमाने के लिए भेजा गया। साल में 2003 वे फिर से आंध्र प्रदेश के आदिलाबाद में मोबिलाइजेशन सेवकाई जारी रखने के लिए गए ।उनका मुख्य काम मसिहयों को चुनौतीपूर्ण रूप से प्राथना और मिशन के लिए देना, प्रार्थना समूह और प्रायोजक समूह बनाना था ।

अंतीम दिन:

श्रीमती वैदुर्यम इज़राइल मधुमेह से पीड़ित। जिस कारण उनके गुर्दे प्रभावित थे , वह इलाज पर था। नियत समय में, दो पैरों में वह सेल्युलाईट रोग से भी प्रभावित थी। इसलिए, वह चलने और काम करने में असमर्थ थी। 2012 में नंदयाल क्रिस्चियन अस्पताल में उनका भर्ती कराया गया, जहां ज्यादा नहीं सुधार होने पर , उन्होंने सरकारी अस्पताल संपर्क किया। उनके पैरों की चार सर्जरी हुवी । उनके मधुमेह, गुर्दे की समस्या और सेल्युलाईट जैसी कई समस्याएं के वजह से उनके पैरों में बहुत कमजोरी हो गई और दिन-ब-दिन उनका स्वास्थ्य बिगड़ रहा था। 14 जनवरी, 2012 को उनकी हालत और बिगड़ गयी । सभी उपचार उपयोगी नहीं थे और उन्होंने 15 जनवरी, 2012 को अंतिम सांस ली। कृपया श्रीमान इज़राइल और तीनों बच्चों को अपनी प्राथना में समर्थन करें। रेव इज़राइल अपनी मोबिलाइजेशन सेवकाई को नंदयाल में जारी रखे है ।

- रेव डॉ. ई. रजनी

बसाउली कलीसिया का इतिहास

भरथना फील्ड, कानपुर क्षेत्र
उत्तरी अंचल
आरंभ से जून 2019 तक

श्रीमती एग्नेस एडवर्ड
के द्वारा लिखित,

बसाउली उत्तर प्रदेश के औरैया जिले के बिधुना तहसील में स्थित कुल 1208 परिवारों का एक बड़ा गाँव है। उत्तर प्रदेश की तुलना में बसाउली की साक्षरता दर काफी उच्च है। भारत के संविधान एवं पंचायती राज एक्ट के आधार पर बसाउली का प्रषासनिक संचालन सरपंच यानि ग्राम प्रधान के द्वारा किया जाता है जो कि ग्राम का निर्वाचित प्रतिनिधि होता है। बसाउली गाँव में अधिकतर ग्रामीण अनुसूचित जाति के हैं। संपूर्ण जनसंख्या में से, 2165 लोग खेती एवं अन्य गतिवधियों में संलग्न हैं।

सेवकाई का आरंभ :

झींकझांक मिषन फील्ड 1990 में खोला गया। झींकझाक फील्डकेलिए प्रथम मिषनरी श्री जेकब थे। कुछ माह बाद श्री रमेष ख्रिष्चियन ने श्री जेकब के साथ सेवकाई में योगदान दिया। बसाउली मंडली की स्थापना मिषनरी श्री आमिर कांत दिग्गल एवं परिवार की सेवकाई के दौरान 2013 में हुई। बसाउली गाँव से प्रभु यीषु को ग्रहण करने वाले प्रथम ग्रामीण स्व. श्री तुलसीराम और उनकी पत्नी श्रीमती मोरश्री और उनके बच्चे थे।

श्रीमती मोरश्री अपनी गवाही बताती हैं।

“मैं बसाउली गाँव से हूँ। मैं अक्सर बीमार पड़ जाती थी। हमने इलाज पर बहुत पैसा खर्च किया और भी बहुत कुछ किया किंतु सब कुछ व्यर्थ। एक दिन हमारे एक रिष्तेदार हमसे मिलने आए। मेरे पति स्व.श्री तुलसीराम ने उन्हें मेरी बीमारी के बारे बताया। हमारे रिष्तेदारों ने प्रभु को ग्रहण किया था एवं तुलसीपुर में आराधना में सम्मिलित

होते थे। उन्होंने हमें भी तुलसीपुर में संचालित होने वाली आराधना में भागी होने को कहा। अतः हम वहाँ गए। अचानक एक साँप हमारे रास्ते में आ गया और थोड़ी देर बाद वहाँ आग जल रही थी। बहुत बार हमने वापस लौट जाने का सोचा किंतु प्रभु के अनुग्रह से हम तुलसीपुर पहुँच गए। मेरे लिए प्रार्थना चढ़ाई गई और मैं पूर्णतः चंगी हो गई। प्रभु को महिमा मिले।"

तुलसीपुर गाँव में एक स्वतंत्र पास्टर श्री अरूण कुमार आराधना का संचालन कर रहे थे। तुलसीराम के परिवार के द्वारा बसाउली गाँव से बहुत सारे लोगों ने प्रभु यीषु को ग्रहण किया एवं तुलसीपुर में आराधना में सम्मिलित होते हैं।

श्री धरमलाल अपनी
गवाही बताते हैं–

"मैं धरमलाल बसाउली गाँव से हूँ। मैं ने रेडियो के द्वारा प्रभु यीषु के बारे में सुना। मैंने प्रभु पर विष्वास किया किंतु प्रभु यीषु के बारे में मुझे ज्यादा जानकारी नहीं थी। मेरे दिल की गहराई में सच्चे परमेष्वर को जानने की दृढ़ इच्छा थी। मेरे संगी ग्रामीण श्री तुलसीराम एवं श्री कमलकिषोर विष्वासी थे। उन्होंने मुझे प्रभु यीषु के बारे बताया। उन्होंने मुझे तुलसीपुर में आराध ाना में सम्मिलित होने को कहा। दो सप्ताह तक मैं किसी न किसी कारण से आराधना में नहीं जा सका। किंतु तीसरे सप्ताह में मैंने किसी भी कीमत पर आराधना में सम्मिलित होने का निष्चय किया। आराधना के एक दिन पहले मेरे पैर में गंभीर चोट आई। किंतु मैंने फिर भी आराधना में जाने का निष्चय किया। दर्द के साथ मैं अपनी साइकिल पर तुलसीपुर गया। आराधना के समय चार लोग एक दुश्टात्मा ग्रस्त महिला को लेकर आए थे जो कि बैठी हुई अवस्था में थी। वह अपने हाथ पाँव कुछ भी फैला नहीं पा रही थी। प्रार्थना के बाद वह चलने लगी और खुषी खुषी अपने घर चली गई। इस घटना ने वास्तव में मुझे हिला दिया। मैंने जाना कि यीषु ही सच्चा प्रभु है। मैं 2012 में तुलसीपुर कलीसिया से जुड़ गया।"

श्री प्रताप सिंह अपनी
गवाही बताते हैं –

"मैं प्रताप सिंह बासाउली गाँव से हूँ। श्री तुलसीराम एवं श्री कमल किषोर हमारे गाँव से विष्वासी थे। वो तुलसीपुर में आयोजित होने वाली आराधना में सम्मिलित होते थे। मेरी पुत्री उनके साथ आराधना में गई एवं उसने प्रभु यीषु को ग्रहण किया। एक दिन उसने मुझे तुलसीपुर आने को कहा। मैं उनके साथ तुलसीपुर गया। वहा मैंने प्रभु यीषु के बारे सुना और जाना कि यीषु ही एकमात्र सच्चा प्रभु है। मेंने बाइबल के वचनों के द्वारा प्रभु को ग्रहण किया। कुछ दिनों बाद मैं अपने कुछ संगी ग्रामीणों के साथ तुलसीपुर

कलीसिया से जुड़ गया। मेरे पास रहने के लिए पक्का घर नहीं था। प्रभु ने मेरी प्रार्थना सुनी और 4 कमरों वाला घर बनाने में मदद किया। साथ ही जब कभी मेरे रिष्तेदार या अन्य कोई किसी समस्या से गुजरते तो मैं उनके लिए प्रभु यीषु के नाम से प्रार्थना करता, और परमेष्वर मेरी प्रार्थना सुनते एवं उन्हें उनकी समस्याओं से छुड़ाते। मेरे द्वारा बिधुना इलाके के मेरे रिष्तेदारों में लगभग 10 से ज्यादा लोगों ने प्रभु को ग्रहण किया है।

श्रीमती दयावंती

श्रीमती दयावंती भी बसाउली गाँव से हैं। वो श्री तुलसीराम एवं परिवार के द्वारा प्रभु को जान पाई। उनकी बेटी अषुद्धात्मा से ग्रस्त थी इसीलिए उनका पूरा परिवार परेषान था। श्रीमती दयावंती आथ्र उनकी बेटी तुलसीपुर की आराधना में गईं। वहाँ उन्होंने 2012 में प्रभु को ग्रहण किया एवं कलीसिया से जुड़ गईं। किंतु अषुद्धात्मा उनकी बेटी को लगातार परषान करता ही रहा। अंततः 2018 में उनकी पुत्री की मृत्यु हो गई। श्रीमती दयावंती का विष्वास थोड़ा डगमगाया भी किंतु दो माह पष्चात् वह पुनः आराधना में भाग लेने लगीं। अब वह प्रभु में और ज्यादा दृढ़ हो गईं हैं। वह आँसुओं के साथ कहती हैं– वो जिए या मरे प्रभु यीषु ही उनके सबकुछ हैं। वो कलीसिया की गतिविधियों में सक्रियता से भाग लेती हैं।

2012 में श्री तुलसीराम का परिवार एवं श्री प्रताप सिंह का परिवार, श्री घांसीराम का परिवार एवं श्री धरमलाल का परिवार एवं श्रीमती दयावंती का परिवार तथा कुछ अन्य परिवार तुलसीपुर की कलीसिया से जुड़ गए। इस कलीसिया का संचालन एक स्वतंत्र पास्टर श्री अरूण कुमार के द्वारा किया जाता था। बासाउली एवं तुलसीपुर के बीच 20 किलोमीटर की दूरी का अंतर है। स्वतंत्र पास्टर ने विष्वासियों के घर जाकर मिलना छोड़ दिया। एफ.एम.पी.बी के स्थानीय इवांजेलिस्ट उच्चालदा उपकेंद्र में प्रभु का वचन सुना रहे थे। अचालदा बसाउली से महज 3 किलोमीअर की दूरी पर है। अतः बसाउली के एक विष्वासी ने हमारे स्थानीय इवांजेलिस्ट श्री सुनिल कुमार से संपर्क किया तथा 2013 में बसाउली विष्वासी एफ.म.पी.बी से जुड़ गए। आरंभ में उस पास्टी ने विरोध किया किंतु विष्वासियों ने एफ.एम.पी.बी से जुड़ने की अपनी इच्छा को जताया।

कलीसिया की वृद्धि

2013 से स्थानीय इवांजेलिस्ट श्री सुनिल कुमार बसाउली में श्री तुलसीराम के आवास पर आराध ाना का आयोजन करते हैं। आस पास के ग्रामों से

बहुत सारे लोग आराधना में सम्मिलित होने लगे हैं। बसाउली कलीसिया बहुत से चमत्कारों के द्वारा तथा तोगों केजीवनों में प्रकट होते अदभुत साक्षात्कारों के द्वारा हर साल बढ़ती जा रही है।

चर्च की जमीन

हमारे विष्वासी श्री तुलसीराम के घर पर आराधना का आयोजन किया जाता था। जैसे जैसे आराधना में सम्मिलित होने वाले लोगों की संख्या बढ़ी, स्थान एक बड़ी समस्या बन गया। अतः श्री तुलसीराम ने अपने घर; जिसमे वो रहते थे, उसका आधा भाग कलीसिया के लिए दान करने का निर्णय लिया। गिरजाघर की जमीन का नाप 18 गुणा 45 है।

गिरजाघर निर्माण

ख्राइस्ट चर्च बसाउली का निर्माण हमारे मिषनरी श्री क्लेमेंट बकियाराजा की सेवकाई के दौरान हुआ जिसके प्रथम विष्वासी श्री तुलसीराम हैं। कोयंबटूर के श्री डेविड के द्वारा 29.11.2014 को आधारषिला रखी गई। पक्का गिरजाघर निर्माण के दौरान कोई विरोध नहीं उत्पन्न हुआ। चर्च की नाप 18 गुणा 45 है। त्रिची के श्री पकियाराज ने इस गिरजाघर को प्रायोजित किया एवं 10.05015 को श्री पकियाराज के द्वारा इसका समर्पण किया गया।

कलीसियाई गतिविधियाँ एवं सूचनाएं–

बसाउली में सेवा करने वाले मिषनरी श्री आमिर कांत दिग्गल, श्री क्लेमंट बकियाराज एवं श्री सुरेष माल्टो एवं उनके परिवार

पवित्र प्रभुभोज

हर महिने के प्रथम प्रभुवार को पवित्र प्रभुभोज का आयोजन किया जाता है। स्थानीय इवांजेलिस्ट पवित्र प्रभुभोज प्रदान करते हैं।

आउट रीच सेवकाई

स्थानीय इवांजेलिस्ट के साथ साथ हमारे विष्वासीगण भी आउटरीच सेवकाई के लिए जाते हैं। वे लोगों के साथ अपनी गवाही साझा करते हैं। विष्वासियों के द्वारा ही सोनी अड्डा, उज्जैन अपूर्व आदि जैसे गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया जा सका।

छोटे समूह

बसाउली कलीसिया के अंतर्गत 5 छोटे कार्यरत हैं। ये छोटे समूह हैं– सुनाउली, भोपालपुर, भागलपुर, उज्जैन अपूर्व एवं मालौसी ग्राम।

कलीसिया में उपस्थिति

60 से 70 लोग प्रति प्रभुवार कलीसिया की आराधना में सम्मिलित होते हैं। स्थानीय इवांजेलिस्ट प्रति रविवार आराधना की अगुवाई करते हैं।

कलीसिया की सामर्थ एवं पिछड़ापन

बसाउली कलीसिया की कुल सामर्थ फिलहाल 96 है। उनमें कोई भी भटका नहीं है। इन 96 विष्वासियों में से कुछ बुजुर्ग विष्वासी हैंजिन्होंने तुलसीपुर के स्वतंत्र पास्टर के द्वारा प्रभु को ग्रहण किया था एवं फिर वे एफ.एम.पी.बी से जुड़ गए।

प्रभु को महिमा मिले–

. उन मिषनरियों के लिए जिन्होंने कठिन परिश्रम किया एवं जिनके द्वारा लोग प्रभु के प्रेम में लाए गए।

. उन विष्वासियों के लिए जो दूसरे लोगों के साथ सुसमाचार साझा करते हैं।

पथ प्रदर्शक

नहेम्याह गोरे

यदि मेरा परिवर्तन पागलपन है तो आषीशित है पागलपन।

बहुत सारे उन लाभों में जो उच्च जातियों को ब्रिटिष षासन काल में प्राप्त हुए, षिक्षा का लाभ सर्वोच्च है। कुछ लोगों के लिए यह उनका मसीहियत में प्रवेष का द्वार बना। अन्य लोगों के लिए, यूरोपियन मिषनरियों के द्वारा मसीही विचारों के विमर्ष हेतु संस्कृत के उपयोग का किया जाना ज्यादा महत्वपूर्ण प्रतीत होती है। जब भाशाएं बाइबल के अनुवाद एवं सिद्धांतों के द्वारा मीही रंग में रंगी गईं, एक जोरदार अंतर धार्मिक अदला बदली ने स्थान लिया जिससे कुछ भारतीय मसीही धर्मवैज्ञानिकों को मसीही विष्वास में आना हुआ। इन्ही आदर्ष समूह में से नहेम्याह गोरे एक हैं।

वाराणसी के एक पारंपरिक ब्राह्मण परिवार में जन्में, नीलकांत गोरे को हिंदू षास्त्रों के अच्छे ज्ञाता थे। गोरे ने प्रतिज्ञा की कि वाराणसी में सक्रिय रीति से बढ़ रहे मिषनरी सुसमाचारकों को बाहर निकाल देगा। उनके समर्पण का यह प्रदर्षन उनके जैसे विचार वाले लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना। वो इस उद्देष्य के साथ सोची समझी साजिष के तहत मिषनरियों के साथ तर्क वितर्क करते थे कि उन पर जय प्राप्त करें और यह साबित करें कि मिषनरी लोग जो कर रहे हैं वो गलत है। इस कारण से उन्होंने बाइबन का अध्ययन किया। जौभी कि उन्होंने सिर्फ तर्क के लिए बाइबल का अध्ययन किया, परमेष्वर अपने जीवित वचन के द्वारा उनके जीवन में कार्य करने लगा। एक बार जैसे ही उन्होंने प्रभु यीषु के पहाड़ी उपदेष को पढ़ा, यह उनके दिल को गहराई से छू गया।

इस गहरे संदेष से उन्हें बड़ा झटका लगा, अपने दिल में एक बड़े संघर्श के बाद अंततः उन्होंने अपना जीवन प्रभु को समर्पित कर दिया। बाद में 14 मार्च 1848 को जौनपुर में अपने बप्तिस्में के बाद उन्होंने अपना नाम बदल कर नहेम्याह रख लिया। पहले वाराणसी में, नहेम्याह (बप्तिस्मा प्राप्त नीलकांत का बदला हुआ मसीही नाम) ने स्वयं को सामाजिक रीति से मृत पाया किंतु आत्मिक रीति से पवित्रात्मा के द्वारा परिवर्तित पाया। वहाँ चारों तरफ से आलोचनाओं की लहरें एवं भय था किंतु गोरे दृढ़ बने रहे। अपने परिवर्तन के बारे उन्होंने कहा–"मसीही बनना केवल खाना और पीना नहीं है," उन्होंने अपने संपादकीय आलोचना का उत्तर दिया– "किंतु एक मात्र परमेष्वर की आत्मा और संपूर्ण दीनता के साथ उपासना करना है।"

इस आरोप पर कि मिषनरियों ने उन्हें अपने धर्म के त्याग के लिए प्रेरित किया, उन्होंने इंकार कर दिया, जिससे उनकी अति निष्चिंतता प्रतीत होती है। जनमानस से प्राप्त हार सहन करने पर भी उन्होंने अपने दृढ़ विष्वास पर बने रहते हुए कहा कि यदि मेरा परिवर्तन पागलपन था तो आषीशित हो पागलपन। आरंभ में उन्हें अपनी गवाही जनमानस के सामने साझा करने में षर्म महसूस होती थी, अपितु दृढ़ता से सुसमाचार प्रचार करना उन्होंने पवित्रात्मा की सहायता एवं क्रूस की सर्वोच्च षक्ति से सीखा। एक नम्र व दीन जीवन जीते हुए उन्होंने अपनी सेवकाई को आरंभ किया और गरीब लोगों के मध्य सुसमाचार सुनाने लगे। उन्होंने लोगों के लिए बाइबल की सच्चाईयों को स्पश्ट किया और उन्हें प्रभावी तरीके से सिखाया। उनके इवांजेलिस्टिक स्टाइल ने लोगों को प्रभावित किया। मराठी मसीही लोग गोरे के कवित्व की क्षमता

की गवाही देते हैं कि कैसे यह मसीही एवं पूर्व मसीही आत्मिकता को उन्नत बनाया, इस तरह कि अपने गैर मसीही विरासत को अंगीकार भी करे एवं परिवर्तित भी।

अपने व्युपदेष में, गोरे ने सृश्टि की रचना के सिद्वांत में सबसे महत्वपूर्ण र्धविज्ञान के तौर पर मग.दपीपसव यानि कुछ नहीं से सबकुछ बनयाए जाने के सिद्ध ांत को पाया। सभी गैर बाइबल दर्षनषास्त्रों में, दोनों विचार पा जाते हैं कि संसार अनादि काल से विद्यमान है साथ ही, इसका एक परम भौतिक कारण है, जैसा कि गोरे का मानना हे कि इनमें से कोई भी परमेष्वर को संप्रभु सर्वषक्तिमान सर्वोच्च सत्ता के रूप में नहीं दिखती है। उन्होंने देखा कि बाइबल सृश्टि की रचना का जो वृतांत बताती है, कि कुछ नहीं से सबकुछ बना दिया, यह वृतांत परमेष्वर को संप्रभु परमेष्वर बनाती है। यदि संसार एक मोह माया है तो परमेष्वर की षक्ति थोड़ा कम वास्तविक है। वे तर्क करते थे कि गैर मसीही सिस्टम का अंतिम संदर्भ कि संसार एक झूठ एवं मोहमाया है, और साथ ही यह भी कि संसार ही ईष्वर है या संसार के कण कण में ईष्वर है, यह तार्किक रूप से असंगत है। अतः वे तर्क करते थे कि विचारकों के द्वारा इस सिद्धांत को नकारा जाना चाहिए।

उद्धार के प्रति उनका विचार भी विषुद्ध रूढ़िवादी था। उनके लिए, उद्धार, मानव पर पाप के भयंकर सामर्थ से, आने वाले प्रकोप से, छुटकारा परमेष्वर के अनुग्रह से मसीह की प्रायष्चित कारक क्रूसमृत्यु के द्वारा से है जो कि विष्वास से उपयुक्त बनता है। यीषु मसीह परमेष्वर के मेमने के तौर पर एक ही बार हम सबके पापों के लिए कुर्बान हुआ, हमारे स्थान पर प्रायष्चित के तौर पर। प्रभु यीषु की मृत्यु के द्वारा हम सभी एक कलीसिया के तौर पर परमेष्वर के गुणों व स्वभाव के सहभागी बन पाते है, अपने पुराने पारंपरिक विष्वास के द्वारा नहीं जिसमें आत्मन परमात्मा के साथ पहचानी जाती है। वो हिम्मत के साथ पूछने का साहस करते हैं कि ऐसी पहचान क्या मानव के पापी स्वभाव की समझ है या परमात्मा की पवित्रता की ?

गोरे बाइबल से प्रतिवाद करते हैं, अनंत दंड का सिद्ध ांत वास्तविक है क्योंकि उन्होंने महसूस किया कि पाप एक नैतिक बुराई है। उन्होंने कहा कि यदि यह सत्य नहीं है तो नेक कार्य नैतिक रीति से अच्छे या भले नहीं माने जा सकते। यदि कोई नैतिक भलाई या नैतिक बुराई जैसी बात ही नहीं हो, तब धर्म का कोई आध ाार ही नहीं हो सकता। यदि इस न्यायेचित्त तर्क को स्वीकार कर लिया जाता है तो फिर कोई धर्म ही नहीं है। उन्होंने महसूस किया कि मानव में यह सहज ज्ञान होता है कि किसी कार्य के लिए उसे या तो ईनाम मिले या फिर दंड। गोरे ने महसूस किया कि यदि यह संभव है कि मानव इस स्तर तक गुणों की ओर नैतिक उन्नति करे कि वह नैतिक रूप से भला बन जाए, तब मानव के लिए यह भी संभव है कि नैतिकता में पतन होते हुए अंतिम स्तर तक बुरा बन जाए कि परमेष्वर के लिए उसे क्षमा करना उचित न हो केवल अनंत दंड ही देन उचित हो।

परमेष्वर के अद्भुत अनुग्रह एवं पापियों के प्रति प्रेम को, अपने जीवन में महसूस करने पर, पिता गोर ने सुसमाचार सुनाने के बोझ से भर कर बहुत सारी सुसमाचार यात्राएं कीं। उन्होंने बहुत ही महतवपूण र् व्यक्तित्वों को भी प्रभु की ओर लाया जैसे, सी.एम. एस औरंगाबाद के रेव्ह. रंथौंजी नवारोजी, सतारा के रेव्ह. कासिम भाई, श्री षाहू दाजी कुकाडे आदि। उन्हें इस बात का श्री श्रेय दिया जाता है कि न केवल अपनी पत्नि एवं भाई को प्रभु में लाए बल्कि महान विद्वान रमाबाई के भी प्रभु में लाए। उसी समय जब उसने मसीहियत को अस्वीकार करने का मन बनाया था, उनके पास पिता गोरे की ओर से एक अवांछित पत्र आया। जो कि उस समय उनके समस्त सवालों के जवाब धारण किए हुए था, एवं उन्ही आधारों पर उसने प्रभु को स्वीकार किया। बाद में वे बताती हें कि पिता गोर के बिना कोई भी चीज उनके मन को बदल नहीं सकती थी। इस तरह प्रभु ने उन्हें एक साधन के तौर पर इस्तेमाल किया कि वो षायद सबसे महान भारतीय महिला को प्रभु के अनुग्रह में लाए, जिसे कि पिछली सदी में हमारे देष ने जन्म दिया। हम भी गोरे की तरह परेष्वर के हाथों से विनम्र पात्र के तौर पर इस्तेमाल में लाए जा सकते हैं कि वह अपने अनुग्रह में बहुतों को जीत सके।

- भाई डेविड बेन्री

प्रभु की महिमा में प्रवेष कर गए।

रेव्ह. पी. ओ. निनान

रेव्ह. पी.ओ.निनान, सी.एस.आई मध्य केरल डायोसीस के वरीय प्रेसबितर थे। वो भूतपूर्व माडरेटर कमीषरी भी थे। वो एक चौथाई सदी से भी ज्यादा समय तक एफ.एम.पी.बी के केरल राज्य काउंसिल के अध्यक्ष भी रहे। बाधाओं के समय में, इस प्रसबितर अगुवे की सलाह एवं प्रार्थनाएं एफ.एम.पी.बी के मिषनरियोंको आगे सेवकाई करने के लिए सामर्थपूर्ण बनाती थीं। उनका जन्म 26 मार्च 1934 को पथनामथित्ता में मल्लापल्ली के पनावेली परिवार के श्री पी.वी. ओम्मेन एवं श्रीमती मरियम्मा ओम्मेन के घर हुआ। उन्होंने अपनी धर्मवैज्ञानिक षिक्षा यू.बी.एस, बेंगलोर से तथा यू.टी.सी. तथा सदर्न बैप्टिस्ट यूनिवर्सिटी अमेरिका से पूरी की। उन्होंने श्रीमती नेंसी से विवाह किया। उन्होंने सी.एस.आइ मध्य केरल के विभिन्न कलीसियाओं में योगदान दिया। एक मिषनरी बनने की बुलाहट प्राप्त करने के बाद, उन्होंने परक्कल मिषन फील्ड में सेवा आंरभ किया। अपनी पुत्री के निधन के पष्चात् उन्होंने मुगलापल्ली में एक स्कूल खोला, जो कि आंध्र प्रदेष में भीशण गरमी के कारण प्रभु में सो गई थी। उनकी पत्नी ने एक होमियापैथी अस्पताल खोला। मिषनरियों एवं मिषन गतिविधियों के प्रति उनकी अपार श्रद्धा थी। एफ.एम.पी.बी के केरल राज्य काउंसिल के अध्यक्ष के तौर पर वे मिषनरियों के पूर्ण विवरण एकत्र करते एवं उनके लिए प्रार्थना करते। वो अन्य लोगों को भी उत्साहित करते कि उनके लिए प्रार्थना करें। मिषनरी कार्य के लिए उनकी व्यक्तिगत देन के साथ साथ वो अन्य लोगों को भी मिषनरी कार्य के लिए देने को प्रेरित करते। वो एफ.एम.पी.बी के फंड बढ़ाने के लिए कार्य करते। हम इस प्रेमी जन के प्रेम व चिंता लिए परममेष्वर का धन्यवाद देते हैं। उन्होंने अपने सभी बच्चों का मिषनरी उतसाह के साथ पालन किया। उन सभी ने अपने कार्य क्षेत्रों में अच्छी मसीही गवाही रखी है। विगत एक माह से ह्रदयाघात का उपचार करा रहे थे, हमारे प्रिय 29 जुलाई को सुबह साढ़े चार बजे प्रभु में सो गए। आइए हम उनके परिवार को अपनी प्रार्थना में स्मरण करें।

एक त्वरित छोटी प्रार्थना

जामसुभाई गुजरात के मोटापोंडा फील्ड के वारोली ग्राम से हैं। उन्होंने अपने घर की दीवार से लगे एक तार को छू लिया था, जैसा कि मानसून का मौसम है, दीवार गीले थे एवं उन्हें बिजली का झटका लग गया। उन्होंने चिल्लाया प्रभु मुझे बचा, किंतु उनकी 4 अंगुलियाँ गंभीर रीति से जल चुकी थीं। जब उनकी पत्नी ने उनकी मदद करनी चाही तब उन्होंने उसे मना किया और दूसरों से मदद माँगने को कहा ताकि वो उसे बिजली से छुड़ा लें। दूसरों ने उसे सूखे डंडों की मदद से छुड़ा लिया। प्रभु ने उसकी छोटी सी प्रार्थना को सुना एवं उनकी रक्षा की।

बहुतायत का फसल

एफ.एम.पी.बी. के 50 वर्षों का संक्षिप्त इतिहास

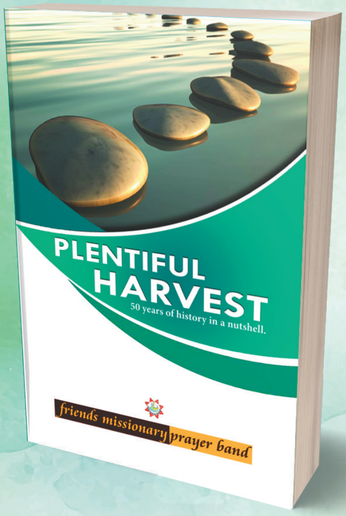

- एक उत्तम हस्तपुस्तिका, जो एफ.एम.पी.बी. के द्वारा 21वीं सदी में भारत के मिशन की इतिहास में परमेश्वर की विश्वासयोग्यता के मील का पत्थर को उजागर करता है।
- यह एफ.एम.पी.बी. की उत्पत्ति, इसके संस्थापक और इसके सदस्य और भारत में कलीसिया के विकास के विषय में है।
- यह 160 पृष्ठों का एक दुर्लभ संग्रह है जो सभी मिशन का विचार रखने वाले मसीही गर्व के साथ रख सकते हैं।
- भारत के मिशन की इतिहास में परमेश्वर के महान कार्यों को पढ़कर परमेश्वर की स्तुति करें।
- केवल 30 रूपये इसके लिए दान करें। (केवल सीमित मात्रा में उपलब्ध)

अधिक जानकारी के लिए हमारे वेबसाईट का दौरा करें

www.fmpb.co.in

1 SEPTEMBER
Thursday

Happy Birthday

Mr. Vincent Premraj
Miss. Vungthianhoih

हिमाचल प्रदेश

एन्नी :

गिन स्वै म एवं चिंग होई किम

स्तुति : चार गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। 20 नया नियम और 4 बाईबल बाँटे गए। खेकर के जो विश्वा सी विश्वा स से हट गए थे वे फिर से कलीसियाई आराधना में फिर से शामिल होने लगे हैं। VBS टीचर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफलता के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

प्रार्थना : जो विश्वासस से फिर गए हैं उनके लिए प्रार्थना करें कि वे वापस विश्वाकस में स्थिर किए जा सकें। इस वर्ष के 75 आत्माओं को प्रभु के लिए जीतने के लक्ष्य की पूर्ति के लिए प्रार्थना करें। चुवाई और दलास में सुसमाचार प्रचार हेतु द्वार खुलने के लिए। कंचन और सुशीला के दुष्टाकत्मा के चंगुल से छुटकारे के लिए। धरम दास के रीढ़ की हड्डी की समस्याक से और सुकुम के गर्भाशय के कैंसर से चंगाई के लिए।

रोहड़ू :

जॉनसन शंकर एवं जेबारानी

स्तुति : परमेश्वर ने 7 लोगों को यीशु में अपने विश्वास का अंगीकार करने में सहायता किया। 5 नया नियम बाँटे गए, 22 सत्संग और 2 प्रचार कार्यक्रम संचालित किए गए। हमारे स्थानीय प्रचारक का पुत्र ऋतिक नाक से लगातार खून बहने की बिमारी से चंगाई पाया। परमेश्वार ने दुर्घटना के शिकार हुए राहुल के जीवन की रक्षा किया। पवित्र को हाई शुगर के कारण आई.सी.यू. में भर्ती कराया गया था, पर वह प्रार्थना से चंगा हो गया।

प्रार्थना : आगामी उपवास प्रार्थना, बच्चों और जवानों की सभा के लिए प्रार्थना करें। उज्जिली देवी जिसके पति की मृत्युस हो गई और उसका बैल और मुर्गी भी खो गए, के लिए प्रार्थना करे कि इस दुख और हानि के बावजूद वह विश्वास में दृढ़ रहे और गाँव के लोगों के मसीही विश्वोस को छोड़ने के लिए बहकावे में न आए। गुपजा देवी के लिए प्रार्थना करें कि वह घुटने के नस के क्षतिग्रस्तव होने से चंगी हो जाए। 12वीं कक्षा में पढ़ रही दिव्याथ के लिए कि वह आँखों के संक्रमण से चंगी हो जाए। राहुल, सुमित, अरूण, शिवानी और दिव्यी के लिए कि वे अपने कॉलेज यीशु मसीह की गवाही दे सकें, और पढ़ाई अच्छी तरह से कर सकें।

2 SEPTEMBER
Friday

Happy Birthday
Mrs. Anjana Masih Satya Prakash

कारसोग :

पवन कुमार एवं प्रभाषिणी देवी

स्तुति : तीन नए गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। 2 नया नियम बाँटे गए। 3 रात्रि सभाएँ और 2 प्रचार कार्यक्रम किए गए। परमेश्वनर ने विक्टोारिया को किडनी और फेफड़े की समस्याम जैसी कई बिमारियों से चंगा किया। भौर और दिनाक गाँव के 2 नए संपर्कों के लिए।

प्रार्थना : सेवकाई में सहायता के लिए समर्पित स्थापनीय प्रचारक के लिए। सुनी गाँव में मिश्नईरी के लिए एक घर मिलने के लिए। जलारी गाँव की रचना के लिए कि गाँव वालों द्वारा अकारण उसके ऊपर किए गए मुकद्दमें में उसकी जीत हो। अंजली के लिए जो परमेश्वार का काम करने के लिए उत्सुएक है कि उसका पति उसमें सहयोग करे।

पंजाब

लहरा गागा :

आईजक एबेल एवं अन्नाज रोजलिन

स्तुति : आठ लोग प्रभु के झुंड में शामिल किए गए। 10 नया नियम बाँटे गए और आउटरीच मिनिस्ट्री द्वारा 2 नए गाँवों में सुसमाचार पहुँचाया गया। महिलाओं की सभा संचालित की गई और भाग लेने वालों ने अपने बीच प्रेयर सेल शुरु करने का निर्णय किया है। कोरियाँ गाँव का एक परिवार जो विश्वाअस से भटक गया था, फिर से विश्वुास में आ गया है। सुनाम चर्च में नई कमिटि का गठन किया गया है।

प्रार्थना : नए संपर्कों के लिए प्रार्थना करें कि वे नियमित रूप से चर्च में आएँ और वे प्रभु के झुंड में शामिल हो सकें। दिरबा ब्लॉएक और चहर गाँव के लिए 5 नए आराधना समूह शुरु करने की योजना के लिए। सुनाम और लहरा गाँव में नया प्रचार टीम बनाने के लिए।

3 SEPTEMBER
Saturday

Happy Birthday

Mr. Egalaivan K.
Mrs. Ching Hoih Kim Gin Sawm

मोगा :

जस्टींन एवं सरल झाँसी रानी

स्तुति : 3 नए गाँवों में सुसमाचार सुनाया गया और 7 लोग प्रभु के झुंड में शामिल किए गए। 5 बाईबल और 30 नया नियम बाँटे गए। नए गाँव में 14 रात्रि सभाएँ और एक बच्चों की सभा संचालित किये गए। चर्च का एल्डतर मनदीप बड़े उत्सानह से सेवकाई कर रहा है। रानी चमड़े के एलर्जी से चंगी हो गई। धरमकोट का पहला विश्वारसी प्रेम सिंह चमत्का रिक ढंग से ब्रेन ट्यूमर से चंगा हो गया।

प्रार्थना : अजीतवाल, जलालाबाद, चूड़चक, राजकोट, कोटली, धरमकोट, बोपारा, पिंडरकलां, किशनपुरा जगरों, चिद्दकऔर दुदिके गाँवों में सुसमाचार प्रचार के लिए द्वार खुले। सब विश्वोसियों को लिए जिन्होंरने अपने विश्वाकस का अंगीकार किया है कि वे रविवारीय आराधना में नियमित रहें। जो विश्वानस से पीछे हट गए हैं उनके लिए कि वे वापस विश्वाहस में आ जाएँ। 12 वर्षीय सुमीर के लिए कि वह चल-फिर सके, सलमा मिर्गी से चंगी हो जाए, गोपी और धरमपाल की किडनी की बिमारी ठीक हो जाए, रमेश कैंसर से चंगा हो जाए। परम सिंह, लवप्रीत सिंह, करम सिंह, मनप्रीत सिंह, लत्ती सिंह, हरन, कला, चिंन्टोा, चरणजीत सिंह, गगनदीप, मेजर, और मिंटु शराब पीने की लत से छुटकारा पाएँ। रिकी, रसन, ममता रजियां और सीमा के लिए कि उन्हें संतान की आशीष मिले। हमारे विश्वाऔसी रजनी कौर, ज्यो ति, कंजल और अमन के लिए कि उन्हें योग्ये और प्रभु का भय माननेवाले जीवन साथी मिले।

Plenty of Water from Bore-well!

In Gujarat, at Mosda mission field, Parsingh Bhai is a believer from the village Kumina. Many of Parsingh's neighbours dug borewells to get the groundwater. But they did not get water. But Parsingh requested our missionaries to pray for his bore well work. Through prayers Parsingh got enough ground water in his land.

4 SEPTEMBER
Sunday

Happy Birthday

Mrs. Malangmei Sanalung Ditungbou

अहमदगढ़ मंडी :

चौधरी राजेश एवं सरिता पौल, दिप्तीउलाल माली एवं रेणुमा

स्तुति : 15 स्थाानों पर रात्रि सभा, महताबगढ़ और अहमदगढ़ मंडी में सत्सं ग, 1 युवाओं की सभा और 1 एलडर्स मिटिंग किए गए। 4 स्थासनों पर उपवास प्रार्थना संचालित हुए। 3 नए परिवार प्रभु के पास आए हैं। 2 आउटरीच फिल्म4 प्रोग्राम के द्वारा 110 से अधिक नए लोगों तक सुसमाचार पहुँचाया गया और 1 नया परिवार प्रभु में आ गया। दो जगहों पर VBS चलाया गया। सक्रिय विश्वाोसियों से बनी हमारी प्रचार टीम नए क्षेत्रों में प्रचार कर सकी और 7 परिवारों ने यीशु पर विश्वारस किया है। संजय कुमार को परमेश्वकर ने सर्पदंश से बचाया और जगेरा के मोनिका को दुष्टाुत्मार से छुटकारा मिला।

प्रार्थना : 19 रात्रि सभाओं, 1 बालसभा, 2 सत्सं ग, 3 फिल्म प्रोग्राम, 1 बाईबल स्ट डी, 2 महिला सभा करने तथा 3 गाँवों में 600 लोगों को सुसमाचार सुनाने और 200 ट्रैक्ट्सा बाँटने की योजनाओं के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि सीमा कौर को कैंसर से, सिमरन कौर को स्कीन एलर्जी तथा लीवर के संक्रमण से, सरबरी कौर को पित्ताशय की पथरी से, काला पिलिया को बेहोशी के दौरों से, दलेगी के पाली को लकवा से, और परमहंस को टीबी से चंगाई प्राप्तच हो। राजू-मोनिका के परिवार में गलतफहमियाँ दूर हों और परिवार में शांति आ सके। मलौध चर्च के मुकद्दमें में जीत के लिए एक कुशल वकील के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि पूजा कौर, जसप्रीत, शकुंतला और मालती के परिवार को दुष्टोत्माथ से छुटकारा मिले।

5 SEPTEMBER
Monday

Happy Birthday

Mr. Esakkiah R
Mr. Dharmendra Parrichha

संगरूर :

गिम्भाल दिलीपभाई एवं ज्योति

स्तुति : 7 गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया और 10 विश्वा सियों ने यीशु पर अपने विश्वातस का अंगीकार किया। 6 नया नियम और 2 बाईबल बाँटे गए। किचन में गैस सिलेंडर से लगी आग से सिमू कौर की दादी को परमेश्वमर ने बचाया। डिंपल कौर कुछ भी खती-पीती नहीं थी, पिछले महीनों में हमने उसके लिए प्रार्थना किया और अब कुछ सुधार के लक्षण दिख रहे हैं और वह बेहतर महसूस कर रही है। दारा सिंह को परमेश्वर लीवर संक्रमण से चंगा कर रहा है।

प्रार्थना : नई विश्वारसी सोनिया कौर के पेट के कैंसर से चंगाई के लिए प्रार्थना करें। पिछले 7 वर्षों से मानसिक बिमारी से ग्रस्तव प्रख्याात बढ़ई मिट् के लिए प्रार्थना करें। कृष्णा। देवी और पारो कौर को दुष्टा त्मग से छुटकारा मिले। महेश कुमार को पक्षाघात और बलिराम को कैंसर से परमेश्वनर चंगा करें। परमेश्वबर डिापल, सोनिया और मनप्रीत को संतान की आशीष दे।

एलिय्याह का परमेश्वार

अखेडा मेवडा गाँव मध्या प्रदेश में है। हमारा मिशनरी उस गाँव में रविरीय आराधना चलाने गया। आराधना शुरु होने से पहले ही एक आदमी गया और पूछा कि वहाँ क्या हो रहा है। फिर उसने हमारे मिशनरी का कॉलर पकड़कर उसे चर्च से बाहर ले गया। लेकिन जब हमारे विश्वामसियों ने उसके विरूद्ध आवाज उठाई तो उसने कॉलर छोड़ दिया। उसने उसे एक मसीही विरोधी ऑफिस जो उस क्षेत्र में है, वहाँ बुलाया। जब मिशनरी ने वहाँ जाने से इनकार किया तो वह विडियो बनाया और अधिक लोगों के साथ आने की बात कहकर चला गया। तब विश्वोसियों ने मिशनरी को एक दूसरे विश्वाधसी के घर भेज दिया जहाँ कुछ लोगों ने मिशनरी के साथ परमेश्वरर की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करना शुरू किया। उन मसीही विरोधी लोगों ने वह घर ढूंढ़ निकाला जहाँ वह मिशनरी था। जब वे वहाँ आए तो विश्वाासियों ने वर्षा के लिए प्रार्थना कारने लगे कि वह वर्षा में बच कर निकल सके। उनके प्रार्थना करने पर परमेश्वमर ने भारी बारिश भेजी और वह मिशनरी उनके हाथों से बच निकला। उसके चले जाने के बाद उन विरोधियों ने सब जगह उसे ढूंढ़ा। श्री हरिसिंह जी ने प्रार्थना करना जारी रखा और अब विश्वा सी प्रतिदिन प्रार्थना करने के लिए इकट्ठे होते हैं। हल्लेनलूयाह।

6 SEPTEMBER
Tuesday

Happy Birthday
Mr. Shaik Subhani

जयतो :

चित्तरंजन टांडी एवं तेजस्विता टांडी

स्तुति : परमेश्व र के त्राणकारी अनुग्रह ने 4 लोगों को स्पकर्श किया और वे प्रभु के झुंड में शामिल हो गए। 5 सत्सुंग, 1 फिल्मव प्रोग्राम और 14 रात्रि सभाओं के द्वारा सुसमाचार प्रचार किया गया। परमेश्वंर ने मनप्रीत कौर, सुखपाल कौर, गोरा सिंह और कोमलदीप कौर को दुष्टातत्मो कें चंगुल से छुटकारा दिया। महिंदर कौर को ट्यूमर और 20 साल पुराना हाई ब्लऔड प्रेशर से चंगाई मिली, इस कारण वह उसने यीशु को अपना उद्धारकर्त्ता ग्रहण कर लिया। परमेश्वपर ने सत्संमग के दौरान यशवंत सिंह को जादू-टोना से मुक्ति मिली जिसके कारण वह सो नहीं पाता था और उसके जानवर अक्सर बीमार हो जाते थे। अब वह यीशु पर अपने विश्वाकस का अंगीकार करने के लिए तैयार हो रहा है। अंग्रेज सिंह ने हमारे मिशनरियों को अपने अहाते में सत्सांग और प्रार्थना करने को आमंत्रित किया था, वहीं उसे दुष्टात्मिाण की शक्तियों से छुटकारा मिला और उसने प्रभु को ग्रहण किया। वांदर गाँ में नया प्रेयर सेल शुरु किया गया है। 10 लोग यीशु पर अपने विश्वोस का अंगीकार करने के लिए तैयार हो रहे हैं।

प्रार्थना : सेवक सिंह, राजेन्द्रय सिंह, जतीन्द्र सिंह, सागर सिंहऔर कुलदीप सिंह जैसे कुछ स्वनतंत्र पास्टमर्स के लिए प्रार्थना करें – वे हमारे विश्वा्सियों को भटकाते और परेशान करते हैं। बबली कौर और उसके परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे वापस प्रभु पर विश्वारस करें। दबदीखाना गाँव में नया बाईबल स्टनडी समूह शुरु करने के प्रयास की सफलता के लिए। मत्ता गाँव में विरोध के कारण रूका हुआ गुरूवारीय आराधना फिर से चालू हो सके। जादू-टोना के कारण बिस्तमर पर पड़े जसविंदर सिंह की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। अमनदीप सिंह, आकाशदीप सिंह, मंतर सिंह, गुर्जन्त सिंह, हरमनदीप सिंह, गुरप्रीत सिंह, बलवंत सिंह, सुखविंदर सिंहऔर करमप्रीत सिहं को शराब के बंधन से छुटकारा मिले।

7 SEPTEMBER
Wednesday

Fasting Prayer Day

Happy Birthday

Mrs. Evangelin Jemi Roby

बठिंडा :

संजीव आनंद एवं प्रस्तुमता, प्रताप राहंग एवं प्रभा

स्तुति : 16 लोगों ने यीशु पर अपने विश्वाास का अंगीकार किया। 24 गाँवों में रात्रि सभाएँ की गईं और 4 स्थाडनों पर जीजस फिल्मए दिखाया गया। 10 नया नियम बाँटे गए। चारत सिंह मौर गाँव में रविवारीय आराधना शुरु किया गया। कलीसिया में लगातार प्रार्थना से फूलो गाँव के जगदीप सिंह को दुष्टावत्माध से पूरी तरह छुटकारा मिला।

प्रार्थना : बुचु मंडी के सुष्मिता का हीमोग्लोरबीन लेवल 5 हो गया है, उसकी चंगाई के लिए प्रार्थना करें। सभी युवाओं को रोजगार और नौकरी मिलने के लिए। हमारे मिशनरी श्री प्रताप रांहग की धर्मपत्नीद रश्मि प्रभा बीरो के लिए कि वह गठिया रोग से चंगाई पाए, अन्थ्था उसे आजीवन दवाई लेनी पड़ेगी।

हरियाणा

कलांवाली :

विजयकुमार एवं जेबाला

स्तुति : 6 नए गाँवों में सुसमाचार पहुँचाया गया। 1 व्यदक्ति प्रभु के झुंड में शामिल किया गया। 10 नया नियम और 3 बाईबल बाँटे गए। 27 गाँवों में अनुवर्ती सेवाकार्य किया गया और 20 रात्रि सभाएँ की गईं। रविवारीय आराधना, 2 प्रेयर सेल और उपवास प्रार्थना नियमित किए जा रहे हैं। 64 बच्चोंत ने VBS प्रोग्राम में हिस्सा, लिया। असीर चर्च में नया शुरु किए गए रविवारीय आराधना में 2 नए परिवार आना शुरु किए हैं। बिंदर कौर लकवा के कारण न तो चल पाती थी न खा पाती थी पर ओधन चर्च के विश्वाासियों के प्रार्थना से अब वह बेहतर है और अपने घरेलू काम कर सकती है।

प्रार्थना : उन विश्वाससियों के लिए जो परमेश्व र को छोड़कर झूठी भविष्ययद्वाणी और झूठी चंगाई की तरफ भटक रहे हैं कि वे वापस सच्चाईि में लौट आएँ। दुष्टारत्माध के चंगुल से छुटी जसविंदर कौर के लिए कि वह शराब के लत से छुट पाए और चर्च में उपस्थित हो। कलांवाली के विश्वामसी मोगल राम के लिए कि वह किडनी के सिस्टछ और फूले हुए पेट से चंगाई प्राप्त करे। जसप्रीत कौर को संतान की आशीष मिले। 3 व्यनक्ति जो विश्वाूस का अंगीकार करने को तैयार थे वे एक झूठे गुरू धन धन सतगुरू अभी जेल में है, के पीछे चले गए हैं, प्रार्थना करें कि वे सच्चोई में लौट आएँ।

8 SEPTEMBER
Thursday

फतेहाबाद :

डेविड एवं जेबा ग्रेस

स्तुति : 3 गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। 4 नए विश्वाअसी प्रभु के झुंड में शामिल हुए। 17 रात्रि सभाएँ, 22 सत्सं ग, 20 उपवास प्रार्थना और 5 महिलाओं की सभाएँ की गईं। हमारे विश्वा सी राजकुमार की बेटी को दो बार मरा बच्चाग जन्माउ। वह यीशु मसीह पर विश्वासि नहीं करती थी, पर उसके पिता ने जाना कि यह एक श्राप है, और उसे सुसमाचार सुनाया। तब मिशनरियों को उसके लिए प्रार्थना करने के लिए निवेदन किया गया। और अब परमेश्व र ने उसे एक बेटी दान देकर आशीषित किया है। राजपाल की पत्नीद को सांप ने काट लिया था, लेकिन परमेश्वरर ने उसे बचा लिया। कलावती नशीली दवा के बंधन से छुटकारा पायी।

प्रार्थना : मिरासी समुदाय के लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वा स में मजबूत होते जाएँ। बोदिया गाँव में सुसमाचार प्रचार के लिए द्वार खुलने के लिए प्रार्थना करें। संदीप के लिए जो 7 महीनों से चल नहीं पा रहे हैं कि वे चल सकें। बडोलांवालीके राकेश, शहीदांवाली के अमरजीत, शेकांवाली के बंटी, और अशोक नगर के रवि, जग्गाक, बाबू, पप्पु के लिए कि वे शराब पीने की आदत से छुटकारा पाएँ।

जीवन नगर :

एलियाकिम जेना एवं दीपिका जेना

स्तुति : 16 गाँवों में अनुवर्ती सेवाकार्य किया गया। 24 नया नियम बाँटे गए। 2 स्था।नों में VBS संचालित किए गए जिसमें 95 बच्चों ने भाग लिया। 6 सत्संाग और 6 रात्रि सभाएँ की गईं। 1 महिला सभा और 9 बाईबल स्टसडी संचालित किए गए। 5 गाँवों के लोगों को फिल्मस शो के द्वारा यीशु से परिचित कराया गया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि स्थांनीय प्रचारक जो हमारा साथ छोड़ चुका है 23 गाँवों में चल रहे सेवकार्य में कोई व्यनवधान उत्परन्ने न करे। विश्वा्स से पीछे हटे सभी विश्वौसियों के लिए कि वे वपस विश्वाास में आ जाएँ। दुष्टात्मार द्वारा परेशान किए जा रहे गोरा सिंह के परिवार को छुटकारा मिले। विश्वंकाम लकवा के आघात से चंगा हो सकें। अमन को दुष्टादत्माा के प्रभाव से मुक्ति मिले।

9 SEPTEMBER
Friday

Happy Birthday

Mrs. Yesurethinam Thyagarajan
Mr. Anil Kumar Bisoyi
Mrs. Rani Sukanto Singh
Mr. Jeevanandhan M.
Mrs. Randhe Naynaben Devjibhai

उत्तराखंड

दिनेशपुर :

रमास्वोमी जेरोम एवं एंतोनी राजम

स्तुति : 1 गाँव के 30 नए लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। 13 नए विश्वासी प्रभु के झुंड में शामिल हुए। 15 नया नियम बाँटे गए। 2 गाँवों में VBS संचालित हुए जिसमें 33 बच्चे शामिल हुए। ककराला गाँव में सुसमाचार के प्रति अच्छाए उत्सागह के लिए स्तुति करें। राजू, जिसे डॉक्ट्रों ने जवाब दे दिया था, लीवर और किडनी खराब होने की बिमारी से चंगाई पाया। बच्चोंम की क्लारस में 10 नए बच्चे लगातार आ रहे हैं। तिलियाई गाँव के जग्गु भाई सुसमाचार में रुचि दिखा रहे हैं और प्रार्थना सभाओं में लगातार उपस्थित होते हैं। डॉक्टुरों को बहुत अचरज हुआ जब कल्पैना के कानों की समस्यार गायब हो गई, जिसके लिए उन्हों ने ऑपरेशन कराने को कहा था।

प्रार्थना : गुरूचरण के लिए प्रार्थना करें जो पिछले 35 सालों से चर्मरोग, ब्लड इन्फे,क्श न, और लीवर खराबी से पीड़ित है। छोटी बच्चीण रागिनी के लिए कि वह बोल और चल सके। रागिनी के पिता नशापान से छुट सकें। पूजा अवसाद और आत्म हत्याक की प्रवृत्ति से छुटकारा पाए। कट्पुलिया गाँव के विश्वा सियों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें जहाँ बलविंदर की गाय को शेर ने खा लिया। ओम प्रकाश के परिवार में शांति आने के लिए प्रार्थना करें।

राजस्थान

उदयपुर :

आशीष कुमार एवं सविता देवी

स्तुति : 4 गाँवों में सुसमाचार सुनाया गया। 10 लोग प्रभु के झुंड में शामिल किए गए। 30 नया नियम और 6 बाईबल बाँटे गए। एक गाँव में खोजकों और बच्चोंी की सभा की गई। सही समय पर अच्छील वर्षा के लिए। फुतु और राधा दुष्टा त्माव से छुटकारा पाए।

प्रार्थना : D-listing योजना के लिए प्रार्थना करें जिसके कारण मसीह को अपनाने वाले आदिवासी सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित किए जाएँगे। उदयपुर में इस योजना को लागू किया गया है जिसके कारण हमारे बहुत से विश्वाकसी भयभीत हैं। पायल, रमा और तारा के लिए कि दुष्टोत्मा से छुटकारा पाएँ। सुकन टीबी से चंगाई प्राप्त करे।

10 SEPTEMBER
Saturday

Happy Birthday

Mrs. Sapna Om Prakash

उत्तर प्रदेश

टुंडला :

पचियाबाई पोहनाभाई एवं सविताबेन

स्तुति : जीप टीम के द्वारा 35 नए गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। 1 व्यसक्ति ने यीशु पर अपने विश्वा स का अंगीकार किया। 1 बाईबल और 50 नया नियम बाँटे गए। 5 गाँवों में अनुवर्ती सेवाकार्य किया गया। 3 स्थानिों पर महिला सभा हुई। टुंडला, हलपुरा और एन. काल्यंम आराधना समूहों के लिए जो प्रभु में बढ़ रहे हैं और दूसरों को गवाही दे रहे हैं।

प्रार्थना : तनुमाई गाँ के मुन्नादलाल, लक्ष्मण धारोवीर के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। जाटव समुदाय में सुसमाचार प्रचार के लिए। आगामी रात्रि सभा, अनुवर्ती सेवाकार्य खोजकों की सभा, और प्रशिक्षण कार्यक्रम की सफलता के लिए प्रार्थना करें।

रनिया :

मोंगवाई फोम एवं निशा फोम

स्तुति : एक नए गाँव में सुसमाचार प्रचार किया गया। 8 लोगों ने यीशु पर अपने विश्वाकस का अंगीकार किया। 10 नया नियम और 3 बाईबल बाँटे गए। 2 रात्रि सभाएँ, 1 खोजक सभा, 4 उपवास प्रार्थना, 8 आराधना सभा, 2 बाईबन स्ट डी, 10 स्थानिों पर अनुवर्ती सेवाकार्य, एक-एक महिला, विश्वापसी, क्लबस्ट र कैंप किए गए। मरखुला गाँव में एक छोटा प्रार्थना समूह बनाया गया है।

प्रार्थना : इस वर्ष के 80 आत्मा ओं के लक्ष्यन के लिए। दिलीप, अनुराध, गीता, चंद्रप्रभा, फूलन देवी, अंजली के छुटकारे के लिए प्रार्थना करें। देही गाँव के विश्वातस से पीछे हट रहे बंशीलाल के परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे वापस विश्वा।स में आ सकें। रनिया रेखा के पति सुनील के लिए प्रार्थना करें कि प्रार्थना में शामिल होने और बाईबल पढ़ने में वह रेखा का विरोध करना बंद कर दे।

11 SEPTEMBER
Sunday

Happy Birthday
Mrs. Kasheli Yecto Chophy
Miss. Mercy M.H. Chhuazi

घाटमपुर :

हेलन जे. टॉउथांग एवं चिंगबोई

स्तुति : 4 नए गाँव में सुसमाचार सुनाया गया। 46 नया नियम और 8 बाईबल बाँटे गए। 13 रात्रि सभाएँ की गईं। 3 लोग प्रभु के झुंड में शामिल हुए। सीलपुर गाँव से सुसमाचार के प्रति अच्छा प्रत्युबत्तर मिला। चिली गाँव दो परिवार जो पहले विश्वा्स से हट गए थे, और एक नया खोजक आराधना में नियमित शामिल हो रहे हैं। परमेश्वलर ने मिशनरी और स्था नीय प्रचारक को मसीह-विरोधी तत्वोंश से बचाया है और अभी तक उनकी सब जरूरतों को पूरा किया है।

प्रार्थना : नए विश्वारसियों के लिए कि वे विश्वा्स में मजबूत हों, और अपने परिवार जनों को मसीह के पास ला सकें। प्रार्थना करें कि नया ग्रामीण प्रचार कार्य और खोजकों के लिए अनुवर्ती कार्य फलवंत हों। नए खोजक दिलीप और पिंकी दुष्टात्मिा से छुटकारा पाएँ। अमौली और बवान उपकेन्द्र। के स्थाजनीय प्रचारक पासवानी कार्य में प्रभावी हों।

मध्य प्रदेश

निवाली :

चन्नामलप्पाव एवं रूपा

स्तुति : 2 गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया और 8 लोगों ने यीशु पर अपनेविश्वाजस का अंगीकार किया। 7 नया नियम और 1 बाईबल बाँटे गए। फिल्मय मिनिस्ट्री, आउटरीच प्रोग्राम, नए विश्वाासियों का प्रशिक्षण रात्रि सभाएँ और बाईबल अध्य1यन संचालित किए गए। नया आराधना समूह आरंभ किया गया। उन विश्वा सियों के लिए प्रभु की स्तुयति करें जो अपने विश्वासस का अंगीकार के लिए उत्सुरक हैं। रमेश भाई पंचायत चुनाव जीत गया और विरोध के समय मिशनरी को थाने से बाहर लाने में मदद किया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि निवाली लोग बड़ी संख्याल में प्रभु पर विश्वा स करें। घोडलियापानी गिर्जाघर के निर्माण में सहायता के लिए लोग आगे आएँ। प्रचारक के रहने के लिए रूम मिल सके। मुकेश को अच्छीक जीवन संगिनी मिलने के लिए प्रार्थना करें। आगामी अनुवर्ती सेवाकार्य और फिल्मल मिनिस्ट्री के लिए प्रार्थना करें।

12 SEPTEMBER Monday

Happy Birthday

Mrs. Mabel Christopher
Mrs. Irgar Reshma Maruti

मोरैना :

जेबाकुमार एवं जयंती ग्रेस

स्तुति : 2 गाँवों में सुसमाचार सुनाया गया। 20 नया नियम बाँटे गए। 2 लोग प्रभु के झुंड में शमिल हुए। सनी की माँ की प्रार्थना के कारण परमेश्वर ने उसे बचाया जब वह बिजली के झटके से फेंका गई। प्रीति का 60,000/- रु. बाजार में खो गया था, जो वापस मिल गया। रामदीन के घर में गोधा (Iguana) घुस आया था लेकिन परमेश्व0र ने परिवार की रक्षा की।

प्रार्थना : चतियेकापुरा के विश्वाकसियों के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वासस में दृढ़ रहें और बढ़ते जाएँ। प्रार्थना करें कि खेड़ा मेवड़ा के विश्वाासियों को उपयुक्त आरधना स्थिल प्राप्तस हो। बुधरामपुरा में आराधना सभा निर्विघ्नड रुप से चल सके। प्रार्थना करें कि दर्शनलाल का परिवार बड़े साहस के साथ प्रभु पर अपने विश्वा्स का अंगीकार कर सके। प्रोनकोड की माँ और कैंसरग्रस्तर भूदेवी और ब्ल ड इनफेक्श न से जूझ रही महिमा की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। रामकृष्णाल के लिए प्रार्थना करें कि वह अपने परिवार के सदस्यों को यीशु पर विश्वासि करने से न रोके।

बिहार

रानीगंज :

जॉन एवं सेलिना जॉयस

स्तुति : 7 गाँवों में जीजस फिल्मा दिखया गया और 250 से अधिक लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। 2 गाँवों में नियमित बाईबल स्ट डी चलते हैं। 3 स्थाखनों पर छोटे रूप में रविवारीय आराधना होती है। दीपनाराण स्विच्छा् से विडियो शो में मदद करते हैं।

प्रार्थना : जिन्होंनि जीजस फिल्म देखा है उनमें परमेश्वटर काम करें। गोविंदपुर और बेहाताई गाँव में अच्छी् सड़कें और अच्छें पुल बन सकें क्यों कि इसके आभाव में वर्षा ऋतु में सिर्फ नाव से यात्रा कर सेवा की जा सकती है। प्रार्थना करें कि बिंदेश्वसर, ऋषिदेव, और अरविंद राम नशापान से छुट सकें और यीशु मसीह को ग्रहण कर सकें। कि परमेश्वंर शिवानंद यादव को मूत्राशय की बिमारी से चंगा करें। धमसानिया गाँव के सैनी मेहता ने हमारे मिशनरियों को जीजस फिल्मू दिखने के लिए बुलाया, लेकिन शिफतराम ने दिखाने से रोका।

13 SEPTEMBER
Tuesday

झारखण्ड

हंसडीहा :

सेंथिल कुमार, तिमोथी एवं मुथुसेल्वीद

स्तुति : 7 गाँवों में सुसमाचार सुनाया गया। 7 लोगों ने यीशु पर अपने विश्वाफस का अंगीकार किया। तालझरनी में नये आराधना समूह की शुरुआत हुई। गंगुवारा के विश्वाासियों का विरोध करने वालों ने विरोध करना बंद कर दिया है। 9 लोग यीशु पर अपने विश्वागस का अंगीकार करने के लिए तैयार हो रहे हैं।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि सभी आराधना समूह मंडलियों में तब्दींल हो जाएँ। विभिन्न गाँवों के 35 परिवारों के लिए जो विश्वा:स से पीछे हटे हैं उनकी विश्वाूस में वापसी के लिए प्रार्थना करें। लोगों को विश्वाकस में लाने के लक्ष्योंि की प्राप्ति के लिए प्रार्थना करें। फिल्मव और हाउस विजिट के जरिये सुसमाचार सुने हुए लोगों के मन में परमेश्वहर काम करने के लिए प्रार्थना करें। हमारे स्था नीय प्रचारक श्री नरेश के परिवार की संतान प्राप्ति के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि मंदिर के पुजारी और ग्राम प्रधान जो सुसमाचार का विरोध करते हैं, उनको परमेश्वथर का प्रेम स्पनर्श करें।

यीशु रहित कंपनी को मना किया

उत्तर प्रदेश के घाटमपुर फिल्डं का अजय एक युवा विश्वोसी है जो एक कंपनी में काम करता था। उसके सहकर्मियों उसे कुछ गैर-मसीही रीति-विधि को करने के लिए मजबूर किया वरन धमी तक दे डाली। लेकिन उसने उनका इनकार किया और स्वीकार किया कि वह यीशु मसीह पर विश्वारस करता है। चूँकि उसपर लगातार फब्तियाँ कसी जाती थीं, उसने नौकरी छोड़ने का मन बनाया। उसके गैर-मसीही संबंधियों ने उसे ऐसा करने से रोकने की कोशिश की और घर के माली हालत की याद दिलाई। लेकिन उसकी बहन अनुष्काऐ जो खुद भी विश्वासिी है, ने उसे वह कंपनी छोड़ने के लिए उत्साअहित किया। इसलिए उसने साहस करके वह कंपनी छोड़ दी। अगले वह नौकरी ढूंढ़ने निकला और उसे दूसरी कंपनी में पहली कंपनी से 1500/- रु. अधिक तनख्वाहि पर नौकरी मिल गई।

14 SEPTEMBER
Wednesday

Fasting Prayer Day

Happy Birthday

Mr. John David M.

बाटीटोला :

जीवन रंजन एवं स्निग्धाा

स्तुति : परमेश्व्र के अनुग्रह से 39 लोग प्रभु के झुंड में शामिल हुए हैं। परमेश्वचर की महिमा के लिए पहाड़पुर चर्च का समर्पण हो सका है। सुसमाचार रात्रि सभा, विश्वागसियों का कैंप, महिला कैंप, बाल कैंप एवं युवा कैंप बिना रूकावट के आयोजित किए जा सके। 1 नए परिवार ने यीशु को अपना व्यपक्तिगत उद्धारकर्त्ता ग्रहण किया है।

प्रार्थना : नए विश्वा सियों के प्रभु में बढ़ने और फलवंत होने के लिए प्रार्थना करें। खेरवा चर्च के एल्ड र प्रभु में सो गए, उनके परिवार की शांति के लिए प्रार्थना करें। इस क्षेत्र में अच्छीप वर्षा के लिए प्रार्थना करें कि विश्वा सी लोग अच्छीक तरह खेती-बारी कर सकें। आगामी सभाओं की सफलता के लिए प्रार्थना करें।

दोनीबिचकानी एवं पडरी सीडीसी :

गजेन चंपरामारी एवं रोशिला

स्तुति : दैनिक मनन, बुधवारी प्रार्थना, बाईबल पद कंठस्थक और गीत सीखने का काम और स्कूंल का काम बिना देरी के और अच्छीी तरह से हुआ। परमेश्वीर ने सभी बच्चों और कर्मचारियों को अच्छात स्वाबस्य्र दिया। सीडीसी के कर्मचारियों को स्क्रिपचर यूनियन द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

प्रार्थना : हमारी सीडीसी के बच्चोंड का शारीरिक और आत्मिक विकास हो। दोनीबिचकानी एवं पडरी सीडीसी में 555 बच्चेच हैं। सीडीसी के स्टाफि, वार्डेन और रसोईयों के लिए प्रार्थना करें।

दुष्टामत्माथ भाग खड़ा हुआ

अंकिता हिमाचल के मोरी आराधना केन्द्र से है। उसकी माता और उसका पति प्रभु यीशु पर विश्वोस नहीं करते थे। जून महीने में अंकिता बोल नहीं पा रही थी। जिन डाक्टारों ने उसका परीक्षण किया उन्हों ने बताया कि अंकिता को कोई स्वांस्न्ह समस्या नहीं है। लेकिन वह अगले तीन दिनों तक भी बात नहीं कर सकी। जब उसकी पड़ोसन, जो एक विश्वाथसी है, उसने भांप लिया कि अंकिता को दुष्टा त्माह ने वश में कर रख है। उसने हमारे मिशनरी को अंकिता के छुटकारे के लिए प्रार्थना करने की गुजारिश की। अगले रविवार अंकिता अपने पति के साथ रविवारीय आराधना में आई। उनकी प्रार्थना के बावजूद वह दुष्टारत्माष से छुट नहीं पाई थी। इसलिए मिशनरी और स्थाानीय प्रचारक को फिर प्रार्थना के लिए घर पर बुलाया गया। लगभग 22 लोग वहाँ दर्शक बन कर जमा हो गए। वह दुष्टाात्माक से छुड़ाई गई और वह बोलने लगी। देखने वाले अवाक रह गए और सुसमाचार को ध्याहन से सुना।

15 SEPTEMBER
Thursday

Happy Birthday

Mr. Vasava Bhangsingh Moulya
Mr. Paul Dayasingh Y.
Mrs. Savithiri Kumar
Mrs. Emimal Thilak

साहेरजोरी :

मुथैय्याह समुएल एवं मार्ग्रेट

स्तुति : 22 गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। 38 विश्वारसियों ने यीशु पर विश्वानस का अंगीकार किया। 1 बाईबल दिया गया। 1 गाँव में फिल्मर दिखाया गया।16 गाँवों में रात्रि सभाएँ की गईं। एक चार वर्षीय बच्चा1 लूकस टुडु ने 2 रूपए का सिक्काद निगल लिया था जिससे उसे सांस की तकलीफ हो रही थी, लेकिन विश्वाटसियों के छोटे समूह ने प्रार्थना किया और परमेश्विर की सहायता से वह सिक्कोा मल के द्वारा बाहर आ गया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि परमेश्वटर इस फिल्ड के सभी गाँवों में सुसमाचार प्रचार के लिए द्वार खोले। झेली सीडीसी के 53 बच्चोंक के लिए कि वे परमेश्वलर के ज्ञान में बढ़ें। हमारा विश्वासी मंगल सोरेन अज्ञात बिमारी से पीड़ति है, को परमेश्व र चंगा करें।

जगन्नाथपुर :

बासुदेव माल्टो एवं बसंती माल्टों

स्तुति : 4 नए गाँवों में सुसमाचार प्रचार हुआ। 11 नया नियम और 1 बाईबल बाँटे गए। 3 गाँवों में अनुवर्ती सेवाकार्य हुआ। 4 स्थाानों में नए विश्वासियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम हुए। 58 लोगों ने यीशु को अपने जीवन का प्रभु करके ग्रहण किया। 17 जगहों पर रात्रि सभाएँ संचालित किए गए। हमारे मिशनरी और विश्वासियों की प्रार्थना से परमेश्वेर ने सायना को मिर्गी से चंगा किया। अविश्वासियों ने सांप काटने पर बाजलोदिरा और सुमन सिंगु को ओझा के पास जाने के लिए जोर दिया लेकिन उन्हों ने हमारे विश्वारसियों को प्रार्थना करने के लिए बुलाया। बाईकाटु गाँव के हमारे कुछ विश्वोसी विरोधियों के भय से विश्वारस से पीछे हटे थे, अब फिर यीशु मसीह के विश्वाछस में आ रहे हैं।

प्रार्थना : दिकिया चर्च में नया नया आए लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वाआस में बढ़ सकें। लोका और गुदी झोडा में चर्च निर्माण का कार्य जल्दच पूरा होने के लिए प्रार्थना करें। राजीव जुम्हाँ के परिवार को संतान की आशीष मिले। जेंप सिंगु और पुनम बिरूआ को परमेश्वहर मिर्गी से चंगाई दे। बॉबी बेकरा को मानसिक बिमारी से और जोहन तथा हरिसिंह को टीबी से चंगाई मिले।

16 SEPTEMBER
Friday

Happy Birthday
Mrs. Hena Kumari Gansalves

संत थोमस इंगलिश स्कूजल ब्वासयज हॉस्टोल और सीडीसी पंदनी :

विक्टेर एवंनाओमी, किंपगेन एवं मावी, चांदनी, मर्सी और सुरजाना

स्तुति : केरेन पब्लिक स्कू ल में पढ़ने वाले सभी 6 विद्यार्थियों ने अपनी परीक्षाएँ पास कर लीं। अन्यि 6 बच्चोंव को केरेन पब्लिक स्कूल में दाखिला मिल गया है। डे केयर स्कूगल के बच्चेय बरसात वाले दिनों में भी स्कूोल आए। 15 नए बच्चों को हॉस्टोल में दाखिला दिया गया है। रीस माल्टो और मारकुस माल्टो। बिशप हेबेर कॉलेज से स्ना तक होकर निकले।

प्रार्थना : पंदनी गाँव में बहुत संख्यां में मिलने वाले सांपों से परमेश्व र बच्चों और ग्रामीणों की रक्षा करे। परमेश्वनर स्वानईन फ्लू की बिमारी को रोके जिसके कारण बहुत संख्याो में सूअर मर रहे हैं, जो ग्रामीणों की कमाई का एक प्रमुख साधन है। उन 6 लड़कों के लिए जिन्होंणने उच्चेतर माध्यरमिक की शिक्षा प्राप्ता करने के लिए करेन पब्लिक स्कू।ल में दाखिला लिया है, ताकि वे नए वातावरण से तारतम्ये बैठा सकें। दक्षिण भारत से आए नए शिक्षकों के लिए कि वे पंदनी के के वातावरण के अभ्यवस्तर हो सकें। विद्यार्थियों के लिए नए आराधनालय के निर्माण के लिए प्रार्थना करें। 6 विद्यार्थियों के लिए उचित डिग्री में दाखिला के लिए प्रार्थना करें। बच्चों के लिए सही अंग्रेजी माध्यिम की पुस्तएकों की खरीद के लिए।

हमारा विरुद्ध कौन खड़ा रह सकता है

मसीही विरोधी लोग पश्चिम बंगाल के पकुआहाट फिल्डय के गोहालजी गाँव में सुसमाचार का विरोध करते थे। 26-07-2022 को प्रचारक साईमन किस्कूह और स्वचयंसेवक विजय मुर्मु प्रचार कर रहे थे तो गाँव के लोगों के झुंड ने उन्हीं चारों तरफ से घेर लिया। उन्होंकने उनपर झूठ बोलने का आरोप लगाया। उन्होंने प्रचारक और स्वडयंसेवक को चेतावनी दिया कि फिर कभी गाँव में सुसमाचार प्रचार करने न आएँ। उन्होंगने उन्हे पीटने की योजना बनायी थी लेकिन ये वाकया दिन में हुआ वे उन्हें पीट नहीं सके। परमेश्वैर ने उनसे बातें कीं और उन्होंबने उन दोनों को बिना हानि पहुँचाए छोड़ दिया। कृपया गोहालजी गाँव के लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे पश्चाताप करें और यीशु को अपना उद्धारकर्त्ता ग्रहण करें।

17 SEPTEMBER
Saturday

पश्चिम बंगाल

बलूरघाट :

हारामोहन एवं सुषमा

स्तुति : 32 गाँवों में अनुवर्ती सेवाकार्य किए गए। फिल्मए सेवकाई 5 गाँवों में किया गया। 1 बाईबल बाँटा गया। चर्च लीडर्सऔरप्रचारकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम किये गए। हमारे चर्च के एल्डमर सुशील हांसदा ने अस्थासई चर्च निर्माण के लिए अपनी जमीन दान दी है। परमेश्वेर ने एक सात वर्षीय बच्चेि जय दीप को सर्पदंश से चंगा किया सुजय को जोड़ों के दर्द से और अंजली को जॉन्डिस से चंगा किया। हमारे विश्वा सियों ने स्वगयं बड़े उत्साोह से 3 गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया।

प्रार्थना : दानपुर के पुनुल सोरेन, राशिटोला के फासे मरांडी के परिवार, डांगा के सैटेलाईट सोरेन, लखीटोला के राहुल, उदल के पिपिंग, खाटांग के रेबेस, और बासनई के मतला के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु को ग्रहण कर सकें। आनेवाले VBS, आउटरीच प्रोग्राम, कैंप और प्रशिक्षण के लिए प्रार्थना करें। सावित्री के लीवर की समस्याक, दुमिनिक के स्त्री रोगऔर सोनाई के शरीर फूलने की समस्याक को परमेश्वीर चंगा करे।

गरीब की गुहार

मध्यर प्रदेश में धुलकोट फिल्डय के कडकु गाँव एक दस वर्षीय लड़का सोहन की हड्डी में चोट था जिसके कारण उसका गुदाद्वार अवरूद्ध हो गया। उसे मलत्या ग में कठिनाई थी औकर डॉक्ट रों ने ऑपरेशन करने को कहा। एक ऑपरेशन हुआ और दूसरा किया जाना था, पर चूँकि लड़का बहुत कमजोर था, डॉक्टनरों ने उसे थोड़ा मजबूत होने के बाद लाने को कहा। माँ-बाप दूसरे ऑपरेशन का खर्च उठाने में असमर्थ थे, सो उन्होंडने बच्चे को प्रार्थना में परमेश्व र के हाथों सौंप दिया। उन्होंटने अपने घर में विशेष उपवास रखा। सभी विश्वाडसियों ने मिलकर सोहन की चंगाई के लिए परमेश्वऑर से गुहार लगाई। परमेश्वनर के बड़े अनुग्रह से अब सोहन बिना परेशानी के मलत्यारग कर सकता है और स्वएस्थ है। सोहन पर परमेश्वनर के चंगाई का स्प र्श के लिए उसकी स्तुशति हो। हल्लेगलूयाह।

18 SEPTEMBER
Sunday

Happy Birthday
Mr. John Stephen Y.

जामबनी :

एफ्राएम माली एवं प्रशंसिता माली

स्तुति : पाँच नए ग्रामीणों को सुसमाचार सुनाया गया। 5 नया नियम और 1 बाईबल बाँटा गया। 4 लोगों ने यीशु को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्त्ता ग्रहण किया है। परमेश्व5र ने सिमुल मुर्मु को दुष्टालत्माप के बंधन से छुड़ाया है। बिभूति भूषण के घर पर बिमारों के लिए विशेष प्रार्थना की गईग और प्रार्थना तेल मला गया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि दो स्थाएनीय प्रचारक और एक स्वरयंसेवक इस फिल्डल में परमेश्वंर की सेवा के लिए अपने जीवन को समर्पित करें। सिमुल परिवार के लिए जिन्होंपने परमेश्वरर की चंगाई का अनुभव किया है कि वे एक परिवार होकर प्रभु पर अपने विश्वोस का अंगीकार कर सकें। सुभतारी बेसरा के लिए प्रार्थना करें कि वह सारे शरीर पर के फोड़ों से चंगाई प्राप्तक करे।

The power of the resurrected God!

Mrs. Pani Tudu, of Bathan village in Raniganj Field, West Bengal, was declared dead by the village people between 12 PM and 4 AM. So when the parents tried to take her to the hospital, the village people told them that it was no use taking her to the hospital as she was dead. In this situation, the family members prayed to God and took her to the hospital. While being taken to the hospital, Pani Tudu began to breath, and now she is fine and gave her testimony in the congregation. Praise God.

यीशु प्रभु है

लालतीबाई महाराष्ट्र में मोलगी के भरकुण्ड गाँव से है, एक मंदिर के पुजारी की पत्नी् है। वह अक्समर पेट दर्द से पीड़ति रहती थी। उसका पति उसे चर्च की प्रार्थना सभा में जाने की अनुमति नहीं देता था। लेकिन वह किसी तरह एक आराधना सभा में आ ही गई। उसे पेट दर्द से चंगाई मिली। अगले रविवार को वह अपने पति के साथ रविवारीय आराधना में शामिल हुई और परमेश्वंर की महिमा किया। उसके पति ने मंदिर के सारे कर्मकांड को त्यारग कर पूरे मन से प्रभु यीशु को ग्रहण किया।

19 SEPTEMBER
Monday

Happy Birthday

Mrs. Glory Robert William
Mr. Pratyush Nayak

पाकुआहाट :

रामकृष्णा एलिया एवं अंजली

स्तुति : 21 गाँवों में सुसमाचार बाँटा गया। 5 नए विश्वा सी प्रभु के झुंड में शामिल हुए। 20 नया नियम और 5 बाईबल बाँटे गए। 17 रात्रि सभाएँ, 7 आउटरीच सेवकाई, 30 घर-घर जाकर प्रचार किए गए। 5 लोगों ने यीशु को अपना उद्धारकर्त्ता ग्रहण किया। सिरजन सोरेन को अपना 3 एकड़ जमीन वापस पाने में परमेश्वशर ने सहायता किया। परमेश्व।र ने छोटे हेम्ब्रटम को अज्ञात बिमारी से चंगा किया। पन्नापुर आराधना समूह ने अपने आत्मिक बढ़ती के लिए घर-घर जाकर प्रार्थना शुरु किया है।

प्रार्थना : उन परिवारों के लिए प्रार्थना करें जो यीशु को अपना व्युक्तिगत उद्धारकर्त्ता की बजाय धन-दौलत देनेवाले के रुप में देखते हैं। चंकी टुडुके परिवार, सुरजू सोरेन और गणेश मुर्मु के लिए जो विश्वोस से भटक गए हैं, कि वे फिर से विश्वा स में आ जाएँ। इस फिल्डे में अच्छीन वर्षा के लिए -वर्षा के आभाव में लोग दूसरे जगहों पर जा रहे हैं, पढ़ाई छोड़ रहे हैं। विवाहित जोडे अलग-अलग रह रहे हैं संगतिऔर आत्मिक भोजन के अभाव मेंमसीही विश्वावस में दृढ़ नहीं हैं। अतामुनी के लिए प्रार्थना करें जो सिर्फ 16 साल की है, जिसपर उसके माँ-बाप शादी करने के लिए दबाव दे रहे हैं। कि परमेश्वजर राजीव सोरेन को मानसिक गडबड़ी से ठीक करे और वह आराधना में भी नियमित रहे। ब्रिटेन टुडु के लिए जिसने ठग बैंकरों के कारण 15,000/-रुपए खो दिए। अवैध संबंधों, बिना विवाह पति-पत्नीज की तरह रहने और बालविवाह जैसे सामाजिक बुराईयों के दूर होने के लिए।

परमेश्व र चंगा करनेवाला

पश्चिम बंगाल के मठटोला गाँव का सुनील मार्डी एक ओझा था। उसके परिवार ने 08-07-2022 को यीशु मसीह को अपना उद्धारकर्त्ता ग्रहण किया। जब वह ओझा गुरु था तो उसने बहुत से लोगों को गुरूपूजा में ले गया, लेकिन परमेश्वरर ने परिवार को छूआ। परिवार अक्सतर गंभीर रुप से बीमार पड़ता था। यह गुरु ईलाज पर पैसे खर्च नहीं कर सकता था। एक दिन उसके विश्वा सी संबंधी ने उसे सुसमाचार सुनाया। यीशु मसीह को ग्रहण करने के बाद अब वह अच्छे स्वास्स्थी का आनंद उठा रहा है। प्रभु की स्तु ति हो।

20 SEPTEMBER
Tuesday

Happy Birthday
Mr. Johan Malto

ओडिशा

क्योंऔझर :

प्रत्युकष नायक एवं लियोना

स्तुति : 8 गाँवों में सुसमाचार सुनाया गया। 39 नया नियम और 1 बाईबल बाँटे गए। 2 गाँवों में जीजस फिल्मऔ दिखाया गया। 39 जगहों पर रात्रि सभाएँ की गईं युवा प्रशिक्षण कार्यक्रम और 2 युवा सभा संचालित किए गए। सिगर को परमेश्वर ने दुष्टा्त्मा के चंगुल से छुड़ाया। इंदु मुण्डाम को परमेश्वसर ने पीड़ादायक छाती दर्द से चंगा किया।

प्रार्थना : सुसमाचार सेवा के विरोधी मधु जुआंग, रायमति जुआंग, शंकर जुआंग, और मुगुमना जुआंग के लिए प्रार्थना करें कि वे पश्चााताप करें और प्रभु को ग्रहण करें। जुआंग समुदाय के जो लोग विश्वांस से पीछे हटे हैं वे फिर से विश्वाास में आ जाएँ इसके लिए प्रार्थना करें। इस फिल्डक में काम करने के लिए एक समर्पित स्था नीय प्रचारक के लिए। किडनी और लीवर की बिमारी से पीड़ित किशन झंका की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। हो और जुआंग समुदाय के बीच सेवा फलवंत हो।

रिमुली :

शंकर एवं जेलिन

स्तुति : 11 गाँवों में सुसमाचार प्रचारा गया। 45 नया नियम और बाईबल बाँटे गए। 4 गाँवों में अनुवर्ती सेवाकार्य किए गए। 12 रात्रि सभाएँ की गईं। कोन्ना चर्च के विश्वा सियों का विरोध करने वाले और बहुत समस्याएँ खड़ी करने वाले लोग जिलाधीश तक पहुँच गए थे, परंतु बहुत प्रार्थनाओं के बाद अभी मामला स्थिगत है। दुष्टोत्माश ने सुकमति मुण्डाच को लंगड़ा किया हुआ था, जब हमारे विश्वावसियों ने प्रार्थना किया तो उससे छुट गई।

प्रार्थना : बहुत से नए लोग मतियालसाई चर्च की आराधना में शामिल होते हैं। पंबडिया में चर्च निर्माण का कार्य यथाशीघ्र पूरा हो। नए गाँवों के लिए जो आउटरीच प्रोग्राम बनाया गया है वह फलवंत हो। आगामी मिटिंग और ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए प्रार्थना करें।

21 SEPTEMBER
Wednesday

Fasting Prayer Day

Happy Birthday

Mr. Prasantha Kumar K.

ढेनकनाल :

संतु मरांडी एवं सुरेश माल्टो्

स्तुति : टैक्ट्स और 26 नया नियम बाँटने के द्वारा 7 नए गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। 8 जगहों में आउटरीच प्रोग्राम और 8 जगहों पर रात्रि सभाएँ की गईं। 8 गाँवों में अनुवर्ती सेवाकार्य किया गया। 17 शिक्षकों को 3 दिनों तक VBS प्रशिक्षण दिया गया जिसके बाद उन्होंअने 4 जगहों पर VBS संचालित किया। दो विश्वांसियों का विवाह चर्च में हुआ और वह उस विवाह में शमिल गैर-मसीहियों को वचन प्रचार करने का अवसर बना। परमेश्वहर ने सिदा पूर्ति और सिदा सत्तार को लकवा से चंगा किया। 4 नए परिवार रविवारीय आराधना में शामिल होने लगे हैं।

प्रार्थना : उन विश्वाहसियों के लिए प्रार्थना करें जो ग्रामीणों के साथ कोराकाडिया चर्च निर्माण को शुरू करने के वार्ता शुरु किए हैं। यह निर्माण कार्य 2 साल पहले मागन्ताा समुदाय के लोगों और उनके ग्राम प्रधान और धर्मगुरु के विरोध के कारण बंद हो गया था। प्रार्थना करें कि चर्च का निर्माण पूरा हो सके और प्रभु की महिमा के लिए उसका अर्पण किया जा सके। झानो कोला जो एक साल से सूखी खांसी और छाती दर्द से पीड़ित है, उसकी चंगाई के लिए प्रार्थना करें। सावित्री हेमरोम के लिए प्रार्थना करें, जो एक साल से अधिक समय से सर दर्द और पैर दर्द से पीड़ित है और चंगाई की आशा में रविवारीय आराधना में शामिल होती है, कि परमेश्वीर उसे चंगा करे।

जशीपुर :

सुकीनलाल एवं जयरानी, अरविन कुमार, अब्राहम

स्तुति : 5 गाँवों में परमेश्ववर का वचन बाँटा गया। 5 बाईबल बाँटे गए। मनदा गाँव में एक नए चर्च की स्थापुना की गई है। सागदी हॉस्टेेल के बच्चेव गर्मी की छुट्टी के बाद लौट आए हैं। सिमलीपाल, पिडो और जशीपुर में आयोजित VBS में 280 बच्चों ने उत्साछहपूर्वक भाग लिया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि नया दाखिला लिए बच्चे जल्दीे से छात्रावासीय जीवन के अभ्योस्तथ हो जाएँ। परिजोति में चर्च निर्माण के लिए जमीन उपलब्धय हो सके। बहुआ में निर्माणाधीन चर्च जल्द से जल्दा पूरा हो सके। हो लोगों के बीच जागृति के लिए प्रार्थना करें। सवराति, काडागुरूआ और प्रूति जैसे जरूरतमंद जगहों में शीघ्र चर्चों के निर्माण के लिए प्रार्थना करें। शक्ति हॉस्टेरल का निर्माण कार्य बिना बाधा के पूरा होने के लिए। हास्टेकल के बच्चोंा की मदद करने के लिए एक ट्यूशन टीचर परिवार के लिए।

22 SEPTEMBER
Thursday

गुजरात

दाभोई :

विदुष कुमार नाईक एवं प्रीतिबाला

स्तुति : परमेश्वर ने 10 विश्वोसियों के हृदय को तैयार किया है जिससे वे प्रभु पर अपने विश्वास का अंगीकार करने के लिए तैयार हैं। 5 स्थोनों में रविवारीय आराध्नास चल रहा है। लीलाबेन के पेट से ऑपरेशन द्वारा ट्यूमर को सफलता पूर्वक निकाल लिए जाने के लिए प्रभु की स्तुआति करें। अच्छी वर्षा हुई उसके लिए भी प्रभु की स्तुफति करें।

प्रार्थना : आनेवाले प्रोग्राम्सल जैसे विश्वाभसियों का रिट्रिट, एल्डछर्स की मिटिंग, और ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए प्रार्थना करें। कि विश्वानसी चर्च निर्माण के लिए जमीन दान करने के लिए आगे आएँ। मुकेश भाई के दृष्टि की समस्या से चंगाई के लिए और एक छोटे लड़के ध्रुव भाई के लिए कि वह देख, बोल और चल सके।

सेंट थॉमस इंगलिश स्कूल, झावडा:

हरिबाबू एवं पंकजम, पोनअगुस्टीन एवं जॉयस शोभना, वेंकट प्रवीण एवं ब्यूला, अलफोंस एवं शाईनी स्नेरहावर्गीस, सतीश एवं जयंती क्रिस्टी, बिजुलाल एवं स्टेरफी, दानिएल राजामणि एवं सोफिया, रुथ, मैना, गायत्री, एवं एंजेल राज

स्तुति : पिपलवाडा के गर्ल्स हॉस्टे,ल में भारी बारिश के बीच अचानक जोरों की बिजली आ गयी, लेकिन परमेश्वेर ने सब लोगों और बिजली के उपकरणों को भी बचाया। परमेश्व र ने स्कूरल और हॉस्टेरल के सभी बच्चोंं की रक्षा विषधर सांपों से की। अधिकांश बच्चे। अपना यूनिट टेस्ट् दे पाए। परमेश्व र ने हॉस्टेलल के लिए एक अच्छाि रिसोईया उपलब्धक कराया है। परमेश्वअर ने हमें स्कूेल के लिए प्रयोगशाला के उपकरण, कम्यूि र टर, प्रोजेक्टरर और एम्लीन फायर खरीदने में सहायता किया। परमेश्वटर की दया से इस साल 12 नए दाखिला हुआ। बच्चोंू के लिए प्रेयर सेल का गठन किया गया है और वे लंच के समय प्रार्थना कर रहे हैं। 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए हमारे कुछ मिशनरियों द्वारा रिट्रिट का संचालन किया गया।

प्रार्थना : 5वीं के विद्यार्थी प्रिंस के पिता की मृत्यु हो गई, कृपया प्रार्थना करें कि परमेश्वमर उसे सांत्व ना व शांति प्रदान करे। उन बच्चों के लिए जो ईलाज के लिए घर गए हैं। हॉस्टेईल किचन और स्टायफ हाऊस के मरम्म ति और रखरखाव के लिए प्रार्थना करें। स्कूेल के लिए एक जीप की व्यकवस्थाप हो सके। स्कूरल के ऑडिटोरियम में बिजली, लकड़ी, वेल्डिंग और टाईल्सघ का काम जल्द खत्मर हो सके।

23 SEPTEMBER
Friday

Happy Birthday

Mr. Daniel Vijayaraj
Mrs. Lourdu Mary Giri Babu
Mrs. Jasmine Kavitha Densingh

सूरत :

माधव रॉय एवं जेबाथंगम

स्तुति : 3 नए गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। आराधना में 70 नए लोग शामिल हुए। परमेश्वर ने तीन नए जगहों – साईबाबा कॉलोनी, पांडेसरा पुलिस कॉलोनी एवं प्रियंका सोसाईटी में कुछ नए संपर्क दिये हैं। हमारे विश्वॉसी निलेश भाई के बेटे क्रिस को परमेश्वकर ने CBSC की12वीं की परीक्षा में 75 प्रतिशत अंक लाने में सहायता किया। सत्य म ने आर्थिक तंगी के चलते दो साल पढ़ाई छोड़ने के बाद फिर से 11वीं की पढ़ाई शुरू कर सका। समीर भाई को नौकरी मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि सूरत म्यूभनिसिपल कॉरपोशन के अधिकारी नजदीक के क्षेत्र में हमारे चर्च निर्माण के लिए जमीन आबंटित करें। रॉबर्टभाई और लावण्यायबेन के 42 वर्षीय बेटे अल्बमर्ट की मृत्युक हो गई, उनकी शांति के लिए प्रार्थना करें। परमेश्वर पेट के कैासर से जूझ रहे शर्मिलाबेन को चंगा करे। अलुभाई टूव्हीएलर से गिरने और पैर टूटने से चल नहीं सकते हैं, उनकी चंगाई के लिए प्रार्थना पूनमबाई के पति हरेन्द्रजभाई के मालिक ने फैक्ट्रीस बेच दी जिससे उसकी नौकरी छूट गई, प्रार्थना करें कि उसे एक अच्छीी नौकरी मिल सके। गमनभाई का घर बनना है, उसका बेटा दाऊद शराबी है, और बेटी 10वीं की परीक्षा फिर से लिखनेवाली है, इन सबके लिए प्रार्थना करें। निलेशभाई का बेटा क्रिस NEETपरीक्षा में पास हो और उसका एडमिशन MBBS में हो सके।

आयुष को आयुष मिला

बबलु का बेटा आयुष एक 7 वर्षीय बालक मध्यि प्रदेश में हमारे डाबरा मिशन फिल्डे से हैं। वह अतिक्रियाशील बच्चाट है। एक विशेष सभा के दौरान आयुष ने रोड के किनारे खड़े एक ई-रिक्शाा को चालू कर दिया और उसे गति दे दिया। वहाँ कोई था नहीं इसलिए उसे रोका नहीं जा सका और वह रिक्शार एक गड्ढे में जा गिरा। बाद में जब लोगों का ध्याकन इस दुर्घटना की तरफ गया तो उन्होंतने सोचा आयुष तो पिस गया होगा। लेकिन वह रंगते हुए रिक्शा से बाहर बिना किसी प्रकार के चोट के निकल आया, जबकि रिक्शा पूरी तरह बर्बाद हो गया। प्रभु की स्तुति हो उसने छोटे बच्चे की जान बचाई।

24 SEPTEMBER
Saturday

Happy Birthday

Mrs. Nirmala Mithran
Mrs. Shanti Lal Krishan Kumar

महाराष्ट्रउ

मोलगी :

भरनीधरण एवं सेल्वानरानी

स्तुति : उन 6 नए विश्वोसियों के लिए जो प्रभु के झुंड में शामिल हुए। 4 नए गाँवों में सुसमाचार सुनाया गया। 1 नया आराधना समूह बना। 15 नया नियम और 6 बाईबल बाँटे गए। 8 गाँवों में महिला सभा की गई। 1 युवा बाईबल अध्य यन समूह बना। जेमा और अंजली दुष्टा त्मो से छुड़ाई गईं। रेखाभाई 4 सालों तक पीड़ा सहने के बाद छाती दर्द से चंगा हुए।

प्रार्थना : मंडली में नए जुड़े लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वा्स में बढ़ें। 2 नए परिवार आराधना में शामिल होते हैं, प्रार्थना करें कि वे प्रभु पर अपने विश्वांस का अंगीकार करने का साहस पाएँ। सकराभाई विश्वाकसी है और चार सालों से छाती दर्द और सिरदर्द से पीड़ति है, उसकी चंगाई के लिए प्रार्थना करें। ताजिल भाई, जिसका परिवार रविवारीय आराधना में आता है, वे लकवा से चंगाई प्राप्तए करें।

बोराडी :

ओमप्रकाश एवं सपना

स्तुति : 6 गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। 25 लोग प्रीु के झुंड में शामिलए हुए। 4 नया नियम और 2 बाईबल बाँटे गए। 2 गाँवों में आउटरीच मिटिंग हुए। कई गाँवों में उपवास प्रार्थना, भजन सभा और संडे स्कूतल आयोजित हुए। 2 दिवसीय महिला और बाल सभाएँ की गईं। महिला सभा नियमित होते हैं। 5 गाँवों में अनुवर्ती सेवाकार्य किया गया। 5 गाँवों में बाईबल स्टाडी शुरू किए गए हैं। गुड्डा भाई के ऊपर दीवार ढहकर गिर गई लेकिन परमेश्व र ने उसके जीवन को बचाया।

प्रार्थना : आगामी उपवास प्रार्थना, भजन महिला सभा और बाईबल स्ट डी समूहों के लिए प्रार्थना करें। समिति के अच्छी तरह काम करने के लिए। कावा भाई को श्वेबत रक्तसकण के बढ़ स्तार और बढ़े हुए लीवर की समस्याच से चंगा हों। मुन्नाभाई मुँह के कैंसर से चंगाई पाए। रमेश भाई को टीबी और करमा भाई को लकवा से चंगाई मिले। जंदीबाई को गर्भाशय के कैंसर से चंगाई मिले।

25 SEPTEMBER
Sunday

Happy Birthday

Mr. Albert Prabhakaran N.

वडफाली :

विद्त कुमार सिंह एवं हेबल हेमरम

स्तुति : 3 नए गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। वर्षा ऋतु में भी परमेश्वमर ने हमें 7 रात्रि सभाएँ करने में सहायता किया और 1 नया परिवार प्रभु को ग्रहण किया। विश्वा।स से पीछे हटे विश्वा सी फिर से वापस प्रभु पर विश्वा:स में आ रहे हैं। गीता भाई को परमेश्वकर ने सिकल सेल एनिमिया से चंगा किया।

प्रार्थना : उनके लिए प्रार्थना करें जो रविवारीय आराधना में नियमित आते हैं लेकिन अपने विश्वा।स का साहसपूर्वक अंगीकार से संकोच करते हैं। विश्वा स से पीछे हटे लोगों के लिए कि वे वापस विश्वासि में आएँ। उनके लिए जो हमारे मिशनरियों को अविवाहित होने के कारण अपने यहाँ लेने से संकोच करते हैं।

कर्नाटक

मुंडगोड :

सुनील कुमार एवं संगीता

स्तुति : 5 नया नियम और 5 बाईबल बाँटने के द्वारा सुसमाचार प्रचार किया गया। 5 गाँवों में 50 नए लोगों को सुसमाचार दिया गया। विष्णुं प्रिया के अंदर तीन दुष्टाँत्मा एँ थी, जिससे वह बिल्कुसल अनियंत्रित हो जाती थी, लेकिन तारप्पाय और मैलारी ने उसके लिए पूरी रात प्रार्थना में दुआ मांगी और वह दुष्टावत्माँ के चंगुल से छुट गई। लकवाग्रस्तत 55 वर्षीय महादेव को परमेश्वरर ने चंगा कर दिया।

प्रार्थना : 75 हजार का कर्ज न चुका पाने के कारण सरोजा मुकद्दमें का सामना कर रही है, परमेश्व्र सहायता करे। राजू और कृपा के विवाह के 6 वर्ष बाद भी नि:संतान हैं प्रार्थना करें कि उन्हेंष संतान की आशीष मिले। मंजूनाथ परिवार 3 लाख रु. के कर्ज में है, वह ओझा-टोन्हों के कारण नशापान के गिरफ्त में है। वरम्माव अकेली रहती है, प्रार्थना करें कि उसका बेटा और बहू उसे अपने पास रखने के लिए तैयार हो जाएँ।

26 SEPTEMBER
Monday

Happy Birthday
Mrs. Rebacamma Paul
Mr. Siehkhothang Zou

शिग्गाँव :

सुनील कुमार एवं संगीता

स्तुति : 15 नए गाँवों में सुसमाचार सुनाया गया। 30 नया नियम और 12 बाईबल बाँटे गए। परमेश्वकर ने सायन को साँस की बिमारी से, सुनीता को थॉयरोयड सेऔर रफाना को तेज बुखार से चंगा किया।

प्रार्थना : 6 महीने से कैंसर से पीड़ित निलम्माफ की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। परमेश्वनर येलुप्पा की जांघ में संक्रमण के कारण काले पड़े पैर को, नब्बी साहेब को टीबी से चंगा करे। शिवाजी, मंजू और रीता को योग्यं जीवनसाथी मिले।

आंध्र प्रदेश

मदनापल्लीद :

वेंकटेशन एवं शशिकला

स्तुति : वलसापल्लो और मलोकालादिने गाँवों में खुले अवसर के लिए। 5 नया नियम का वितरण हुआ। परमेश्वलर ने चिनपम्मास को दुष्टारत्माग से और रमेश को नशे की लत से छुटकारा दिया। डे केयर सेन्टर में बिजली ठीक करने के दौरान चार्ल्सी को करंट लगी लेकिन परमेश्वंर ने उसे हानि से बचाया।

प्रार्थना : चंद्रमा नंदिनी, मरक्कान, सीनामा, सुब्रमनी, नागवेनी, संध्या , सरसक्का , सुरेन्द्रा और गायत्री के लिए प्रार्थना करें कि वे यीशु पर अपने विश्वा,स को खुलेआम स्वी कार सकें। इस क्षेत्र में सुसमाचार प्रचार के लिए अधिक लोग सहायता करें। गणेश और शांभवी को संतान की आशीष मिले। देखभालके बगैर बिमारी के बिस्त र पर पड़े वेंकटरमण के लिए प्रार्थना करें। अंजली फिर से विश्वामस में आ सके।

Unshakeable Faith!

In Jammu at Narot mission field, Anitha from Pillar village, belongs to a Rajput family. She alone has accepted Jesus as her Saviour. This month her two sons and daughter in laws had beaten her brutally and burnt her Bible. They had also gone to the extent of inviting some opponents of the Gospel to her house to threaten her. But she is strong in her faith and attending the Sunday service regularly

27 SEPTEMBER
Tuesday

धमालेचेरूवु :
जॉन डेविड राज एवं ज्ञानशेखरी

स्तुति : 4 स्थांनों में VBS संचालित किया गया जिसमें 75 बच्चोंग ने भाग लिया। लीडरशिप ट्रेनिंग दिया गया। रानी जोर से ''यीशु''चिल्लानई और बिजली करंट लगने से बच गई। हमारी विश्वा सी किरूबा पार्वती दुर्घटनाग्रस्त होकर बिस्तंर पर थी, अब प्रार्थना के उत्तर में चल फिर सकती है। धनम्मा जिसे उसके पति ने छोड़ दिया था, जुड़वाँ बच्चों को जन्मी दी, जौभी कि डॉक्ट्रों ने गर्भ को चिंताजनक बताया था। लोकेश और ब्यूदला राजा जो अलग-अलग रह रहे थे, प्रार्थना के उत्तर में फिर से साथ परिवार में रहने लगे हैं।

प्रार्थना : विश्वाास से पीछे हटे लोग फिर से विश्वा स में आने के लिए प्रार्थना करें। सोलोमोन रमेश लकवाग्रस्तऔ है, कठिन होने के बावजूद नियमित रुप से आराधना में शामिल होते हैं। उनके व्हींलचेयर को ऑटो में रखकर काम चलाया जाता है। उन्हें एक मोटरयुक्ते ट्राईसाईकल की आवश्यउकता है, और उसकी पत्नी को नौकरी मिल सके। आशा ग्रेस, सातिराक, कृश्ति, रेड्डी प्रसाद, मेशक परीक्षा लिख रहे हैं। एस्थीर अम्माक के परिवार में शांति हो और परिवार के लोग उद्धार पाएँ। जॉनसन को परमेश्वडर फूलने की बिमारी से चंगा करे और उसके घर से शैतान की उपस्थिति खत्मऔ हो जाए। प्रशांत के लिए जिसे कस्टिम में नौकरी मिली है, नियमित चर्च में आए। नादमुनी को शराब की लत से छुटकारा मिले। ब्ले स्सीन अश्विनी ने एक अविश्वाकसी से शादी किया है, प्रार्थना करें कि वह अपने पति को प्रभु में ला सके। वीरपुतरैय्या को लकवा से चंगाई मिले। लूदियम्मा फिर से यीशु पर विश्वासि ला सके।

28 SEPTEMBER
Wednesday
Fasting Prayer Day

कलाकडा :

वेदियप्पईन एवं लक्ष्मीफ, लेबेन रामूभाई

स्तुति : 100 नया नियम, 50गॉस्प ल पैकेट और 1 बाईबल बाँटे गए। 4 स्थाशनों में आयोजित VBS में 141 बच्चो शरीक हुए। नए खोजक चिन्नाकुवालवारिपल्लीम, मोलाकुंडापल्लीम, बंगारूवानलापल्ली की आराधना सभाओं में भाग लिए।

प्रार्थना : रतियम्मा के पति की मृत्युय हो गई उसकी शांति के लिए प्रार्थना करें। लक्ष्मीव को छाती के ट्यूमर के कारण ऑपरेशन कराना पड़ेगा। वेंकटरमण दुर्घटना के शिकार हुए हैं। शांतम्मा नस की बिमारी से पीड़ति है। सुसमाचार का विरोध करनेवाले गंगाधर, राममोहन, बालाजी, सोम शेखर पश्चावताप करें। आनेवाले प्रोग्राम के लिए जिसमें खोजक यीशु मसीह पर अपने विश्वामस का खुलेआम अंगीकार करेंगे।

अनंतपुर :

देबदत्ता लिमा

स्तुति : 120 गॉस्पील पैकेट बाँटे गए। सात जगहों – बुकेरला, लोकेरला, बोक्षममपल्लील, जकालाचेरवु, रेड्डीपल्लीप, मापुरलापल्लीप और लोक्षमपल्ली। में आउटरीच प्रोग्राम किए गए। रत्नालम्माकको टायफायड से, रूबेन डेविड को डेंगू से, नचदीप को अनिद्रा से, नरशप्पाज को छाती के ऑपरेशन से, कीर्ति को टूटे पैर से चंगाई मिली। अंजीनम्मा, और उमादेवी दुष्टा त्मा् के चंगुल से छुटे।

प्रार्थना : नलिनी टायफाइड के कारण और नागम्मा चिकनगुनिया के कारण अस्पेताल में भर्ती हैं, उनकी चंगाई के लिए प्रार्थना करें। प्रतुषा कान में संक्रमण से, शिवम्मो फेफड़े के संक्रमण से, और अब्राहम गले के कैंसर से पीड़ति हैं – इनकी चंगाई के लिए प्रार्थना करें। उमादेवी, निर्मला, अंजीनम्मा रमनजियम्मास और भारती के लिए प्रार्थना करें कि वे उद्धार पाएँ। 12वीं के विद्यार्थियों के लिए कि वे अच्छे् अंक लाएँ। अरुणा, अनीता, इंद्राणी और पुण्यएवती के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें योग्य जीवनसाथी मिले।

29 SEPTEMBER
Thursday

Happy Birthday
Miss. Sushajita Senapati

तमिलनाडु

अंचेत्ती :

डेविड निकोलसन एवं आईवी

स्तुति : 3 नए गाँवों में सुसमाचार सुनाया गया। 2 लोगों ने प्रभु यीशु को उद्धारकर्त्ता स्वीकार किया। 10 नया नियम, 1 बाईबल और 25 गॉस्प ल पैकेट वितरित किए गए। विवाह के अनेकों वर्षो बाद सेमिला को संतान की प्राप्ति हुई। हमारे विश्वावसियों के घरों में जानवरों की बिमारी दूर हुई।

प्रार्थना : कोटायूर, जिकंदाहल्लीच, तिमनथोटी, पिरनापल्ली , तांडियन, मरियालान, पुद्र देवनथोटी, सिंगाकोट्टै, अंजेत्ती, सिदानंदपुरम, वनातूपेट्टै गाँवों में प्रचार के लिए द्वार खुलें। हमारे खोजकगण पीटर, अरुमुगम, झांसी, रसीदा, रामकृष्ण,न, विजयलक्ष्मीा, माला, अमुधा, संगीता, जया, प्रिया, राहिला और शांति के परिवार को प्रार्थनाओं का परमेश्वार उत्तर दे जिससे वे यीशु मसीह के प्रेम को चख सकें। इन बीमारों की चंगाई के लिए प्रार्थना करें – मोहनम्माज को कान की तकलीफ से, शेखर, चंद्रशेखर, थैयाकुमार दिल की बिमारी से, धनम पेट के ट्यूमर से, प्रेमा दिखाई नहीं देने से, और बेनशीला के हाथ-पैर सही रीति से काम करें। 7 वर्षीय मनासो और 12 वर्षीया रसीदा के लिए जो गुंगे हैं और अपने हाथ-पैरों को चला नहीं सकते।

पैसे न देने के लिए प्रार्थना !

मध्यउप्रदेश में नेपानगर फिल्डै के तुकईथाड मंडली का शोभाराम एक अच्छाश विश्वा सी है। वह करीब साठ साल का है। पिछले दो सालों में उसके स्वाओस्युक में बहुत उतार-चढ़ाव आए लेकिन वह विश्वाकस में दृढ़ बना रहा। उसका सामान्यद अनुभव रहा है कि उसे परिवार के बाकी लोगों से अधिक बार बुखार लगता है, और जब भी बुखार लगता है बिना डॉक्टवर को दिखाए और 1000 से 1500 रु. खर्च किए बुखार ठीक होता नहीं है। पिछले महीने फिर से बुखार चढ़ने लगा, उसे कपाल गर्म होता हुआ महसूस हुआ। लेकिन इस बार उसकी ओर बिना अधिक ध्या न दिए वह प्रार्थना करने लगा और बुखार की अनदेखी किया। प्रभु की स्तुीति हो इसबार बिना डॉक्ट र को दिखाए और एक पैसा खर्च किए शोभाराम बुखार से चंगा हो गए। उसके जीवन में ऐसा कभी नहीं हुआ था – हल्लेरलूयाह।

30 SEPTEMBER
Friday

Happy Birthday
Mrs. Tumpa Chowdhury Om Prakash

तिरूवल्लूचर :

पौल आनंदन एवं सारा ज्यो1ति

स्तुति : परमेश्व र ने दतचन्नाामूर्ति को विषैले सांप से बचाया। कांता, कस्तू री और कविता की माँ प्रभु में बढ़ रही हैं। वेणुगोपालपुरम में सुसमाचार सुने हुए लोगों के लिए।

प्रार्थना : इंद्राणी पद्मावती का घर बनाने के काम में लगे मजूदर उत्तर भारत से वापस काम पर लौटें और काम फिर से शुरु हो सके। मुथुकोंडारमपल्लीे के 8वीं, 10वीं और 12वीं की परीक्षा पास किए बच्चेत आगे पढ़ाई जारी रखने के इच्छुमक नहीं हैं, प्रार्थना करें कि माता-पिता शिक्षा के महत्वर को समझें। सेल्वी के पति कुमार पश्चा ताप करें और शराब की लत से छुटकारा पाएँ। कविता के पति गोवर्धनन यीशु पर विश्वामस लाएँ।

मेचेरी – धरमपुरी :

धर्मराज एवं मारिया सेल्वीक

स्तुति : मरकुस के सुसमाचार की पुस्तिका वितरित किए गए हैं। मरियप्पनन अपने चक्कर आने वाली बिमारी से चंगा हो गया है। अमरम गाँव के राजीवगाँधी पवित्र और एस्थेपर पुनगोथाई को अच्छी नौकरी मिली।

प्रार्थना : शिवराज जोसेफ के कान की बिमारी से चंगाई के लिए प्रार्थना करें। पुक्क मपट्टी के कन्नियन को सांस और हृदय की समस्याो से चंगाई के लिए। दुराईसामी का परिवार यीशु को ग्रहण करें। शेखर, रमेश, सेल्वाोराज, पशुपति कुमार, रविकुमार, और मुरुगेशन शराब की लत से छुटकारा पाएँ। अमरम और पुक्क,मपट्टी गाँव के लोग यीशु मसीह में उद्धार पाएँ।

Showers were Enough!

In Uttar Pradesh at Kaimganj mission field, our believer Vijalaxmi had sown corn in her field. But the neighboring fields did not give water for her field and her Borewell was under repair. She prayed to God and God showered rain the whole night and her field got enough water. Hallelujah!

FINANCE DEPARTMENT

Online Banking

FMPB Bank Account details for sending the offering through online transaction

A/c Name: **FRIENDS MISSIONARY PRAYER BAND**

ICICI - A/c No. 602701216912 - IFS Code ICIC0006027 - Branch: Anna Nagar

ICICI Bank UPI ID: fmpb01@icici

SBI - A/c No. 10402752621 - IFS Code SBIN0000987 - Branch: Ambattur

Indian Bank - A/c No. 406157474 - IFS Code IDIB000A599 - Branch: Venkatapuram

Kindly contact us at: finance@fmpb.org, WhatsApp: 7904648270

FOR THE KIND ATTENTION OF SUBSCRIBERS AND SUPPORTERS

The Payment Gateway of State Bank of India through internet is enabled for the contributors of FMPB. You are requested to avail the facility to remit the money.

You are requested to inform the purpose for which the money you deposit through **FMPB SB COLLECT** website.

To enter the gateway, please type '**FMPB SB COLLECT Online subscription**' and provide other details to make your transaction complete. This will help us to know your identity immediately and respond quickly to send receipts and acknowledgements.

In google search type: **FMPB SB Collect**

it will show **State Bank Collect - Online SBI**

Tick the box

☑ (Click check box to proceed for payment)

Proceed

State of Corporate / Institution: Select **All India**

Type of Corporate / Institution:
Select **Religious Institutions**

Go

Religious Institutions Name: **Friends Missionary Prayer Band**

Submit

Select Payment Category: **Donations and subscriptions**

379 मिशनरी एल्बम

रेव्ह- ईम्मानुएल मुर्मु का जन्म असम के कोकराझार प्रांत मे एक मसीही परिवार में श्री हरमा मुर्मु और श्रीमति सालोमी मारंडी के यहाँ हुआ था। उनके पिता पूर्णकालिक सेवक थे और उनकी माता असम के उत्तरी एवंजेलीकल लूथरन कलिसिया मे महिलाओं की अगुए थीं। बचपन से ही उनका पालन पोषण माता पिता के द्वारा आत्मिक रूप से हुआ। उन्होने अपनी पढ़ाई मिशन स्कूल छात्रावास में किया और कलीसिया में एक सक्रिय युवा थे। 1996 में असम में हुए एक जातीय सघर्ष में उनके घर का सब कुछ जला दिया गया जिसमें उनके स्नातक का सारा प्रमाण पत्र भी जल गया। इस कड़ुए अनुभव के कारण और अपने लोगों को बचाने के लिए उन्होने भूमिगत उग्रवादी समूह में शामिल हुए और वे बहुत ही सुविधापूर्ण और जीवन जीने लगा परन्तु वे मसीही अनुशासन से दूर हो गए। जब वे संगठन ही में थे और जब वे एक पेड़ के नीचे अकेले बैठे हुए थे तब परमेश्वर ने मत्ती 6:33 वचन के द्वारा बात की और वे अपने जीवन को परमेश्वर के हाथ में सौंप दिया।

में उन्होने एफ़.एम.पी°बी° में स्वयं सेवक के रूप में प्रवेश किया और वहाँ पर उन्होने Buntain 1997 Theological college से धर्मशास्त्र का अध्ययन किया। 2002 मेन उन्होंने पूर्ण कालिक मिशनरी के रूप मेन प्रवेश किया और उत्तर प्रदेश के कछुवा मेन मिशनरी प्रशिक्षण पूरा किया। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद उनका पदस्थापन पश्चिमी अंचल में जीप दल में हुआ। तत्पश्चात 2003 से 2021 के बीच उनका स्थानांतरण कई स्थानों जैसे: वहागरा मिशन क्षेत्र, राजपारी मिशन क्षेत्र, रामगढ़ मिशन क्षेत्र, चंदाना बाल भवन, मोबिलाइजेशन आइसवाल आदि क्षेत्रों में हुआ और अंत में फिर से रानीगंज मिशन क्षेत्र में संथाल पश्चिमी क्षेत्र में क्षेत्रिए सचिव के रूप में आए।

ईएम्मानुएल मुर्मु का विवाह 9 फरवरी 2004 को स्वर्गीय नथानिएल हसदक और श्रीमति एला हेम्ब्रोम की आठ बच्चों मे से सबसे बड़ी बेटी नीला हसदक के साथ हुआ। उनका पाला पोषण उनके माता पिता के द्वारा मसीही विश्वास में हुआ था। बी° ए° की पढ़ाई पूरी करने के बाद वह नौकरी के लिए प्रयास की; परंतु उसी दौरान उनको एफ.एम.पी.बी. की सेवकाई के बारे में बताया गया।

जब उन्होने सुना कि मरते आत्माओं के बीच में सेवा का कार्य चलाई जा रही है उन्होने पीर्ण कालिक सेवा के लिए अपने जीवन को समर्पित की। उन्होने 1997 को एफ.एम.पी.बी. में प्रवेश कीं और नवोदया टीम और चेन्नई मोबिलाइजेशन के द्वारा परमेश्वर की सेवा की। उन्होने 1998 में उत्तरप्रदेश के झाँसी में मिशनरी प्रशिक्षण पूरी की और गोड्डा और मणड्रो मिशन क्षेत्र में महिलाओं और बच्चों के बीच में सेवा की।

वर्तमान में रेव्ह. ईम्मानुएल और निला हसदक वर्ष 2021 से संथाल दुमका क्षेत्र के पाकुड़िया और महेशपुर मिशन क्षेत्र में परमेश्वर की सेवा कर रहे हैं। परमेश्वर ने इस दंपत्ति को एक पुत्र अर्जुन अगस्टिन मुर्मु को देकर आशीषित किया है। अब वह डोहनाऊर के संतोषा विदध्यालय में 7वीं कक्षा में अध्ययन कर रहा है। आईए हम इस परिवार को अपनी प्रार्थनाओं में ऊपर उठाएँ।

रेव्ह. ईम्मानुएल मुर्मु एवं श्रीमति निला हसदक परिवार

GO OR SEND

friends missionary prayer band

Karnataka State Conference 2022

THEME

JEREMIAH:29:11

PURSUING HIGHER PLANS

Oct. 22-23

SATURDAY - 8.00 AM TO SUNDAY - 7.30 PM

VENUE

INDIA CAMPUS CRUSADE FOR CHRIST

Hennur Road, Lingarajapuram, Bangalore - 560 084.

GUEST SPEAKERS

Rev. Dr. Dexter S. Maben
Vice-President, Karnataka Central Diocese, CSI

Rev. S. John Berlin
Gen. Sec., FMPB

Rev. I.K. Abraham
FMPB

Rev. D. Paul Solomon
FMPB

OBJECTIVES

- To lead the participants into deeper spiritual experience
- To impart missionary vision
- To motivate members and leaders for deeper involvement

Contact: **FMPB - KARNATAKA SNEHALAYA** # 173, 4th Cross, Chikkanappa Layout, Byrathi, Kothanur, Bangalore - 560 077.

☎ : **Rev. Vijay** - 6385187552, **Bro. Elango** - 9902288750, **Rev. Edwin** - 8292390481, **Bro. Raja** - 9036671342, **Rev. Robert** - 9654373422, **Bro. Roby** - 7462985568, **Bro. Anand Kumar** - 9686436937, **E-mail:** elangovan@fmpb.org

Pray, Participate & Be Blessed

Published by: S. Sutharsan Thomas Jeyaraj on behalf of Friends Missionary Prayer Band from 29, High School Road, Ambattur, Chennai 600 053. Tel. 044-2657 0404 E-mail: info@fmpb.org ***Printed by:*** Rasi Graphics (P) Ltd. No. 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600014. ***Editor: S. Sutharsan Thomas Jeyaraj***